राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,07 जुन2020 वर्ष–2, अंक –95 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी सरकार 8 जून से इस भाव पर बेच रही सोना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8 जूनसे शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट, होटल्स व ऑफिसखुल रहे हैं। 25 मार्च से देश में जारी लॉक.डाउन अब अनलॉक हो रहा है। वहीं अगर आपजो खिम कम और अच्छे रिटर्न के लिए सोनेमें निवेश करना चाहते हैं तो मोदी सरकार 8 जून से एक बार फिर यह मौका देने जा रही है। 4,677 रुपये प्रति ग्राम के रेट से मोदी सरकार की सॉवरेन गोल्ड बांड की तीसरी किस्त के तहत 8 जून से लेकर 12 के बीच आप निवेश कर सकते हैं। इसकी किस्त 16 जून को जारी की जाएगी। इससे पहले अप्रैल और मई की सीरीज में रिकॉर्ड निवेश हुआ था। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को जारी बयान में यहजानकारी दी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीममें निवेश करने वाला व्यक्ति एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 500 ग्राम सोने के बॉन्ड खरीद सकता है। वहीं न्यूनतम निवेश एक ग्राम का होना जरूरी है। इस स्कीम में निवेश करने पर आप टैक्स बचा सकते हैं। बॉन्ड को ट्रस्टी व्यक्तियों ट्रस्ट, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थानों को बिक्री के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा. वहीं ग्राहकी कीअधिकतम सीमा 4 किलोग्राम प्रति व्यक्ति,एचयूएफ के लिए 4 किलोग्राम और ट्रस्टों केलिए 20 किलोग्राम और प्रति वित्तीय वर्ष समानहोगी वहीं ऑनलाइन खरीदने पर इस पर 50रुपये प्रति ग्राम या 500 रुपये प्रति 10 ग्राम की छूट मिलेगी। एसजीबी को बैंकों स्मॉल फाइनेंस बैंकों और पेमेंट बैंकों को छोड़कर स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया नामित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से बेचा जाएगा। यह भी जानना जरूरी है कि इन बॉन्ड्स की अवधि 8 साल की होती है

और 5वें साल के बाद ही प्रीमैच्योर विड्रॉल किया जा सकता है। इसकी सबसे खास बात होती है कि निवेशक को सोने के भाव बढ़ने का लाभ तो मिलता ही है. साथ ही उन्हें इन्वेस्टमेंट रकम पर 2.5 फीसदी का गारंटीडफिक्स्ड इंटरेस्ट भी मिलता है।

21 जुलाई से 3 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा

कोरोना के कारण अवधि में की गई कटौती

श्रीनगर((एजेंसी)। कोरोना महामारी के बीच अमरनाथ यात्रा की तिथियों का ऐलान कर दिया गया। यह इस साल यात्रा 21 जुलाई से शुरू होकर 3 अगस्त तक चलेगी। इस बीच शुक्रवार को यात्रा के लिए 'प्रथम पूजा' भी आयोजित की गई। अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालांकि, कोरोना महामारी के कारण इस बार यात्रा की अवधि में कटौती की गई है। साधुओं को छोड़कर अन्य तीर्थयात्रियों में 55 वर्ष से कम उम्र के लोगों को ही अनुमति दी जाएगी। यात्रा करने वाले सभी लोगों के पास कोविड निगेटिव प्रमाण पत्र भी होने चाहिए।

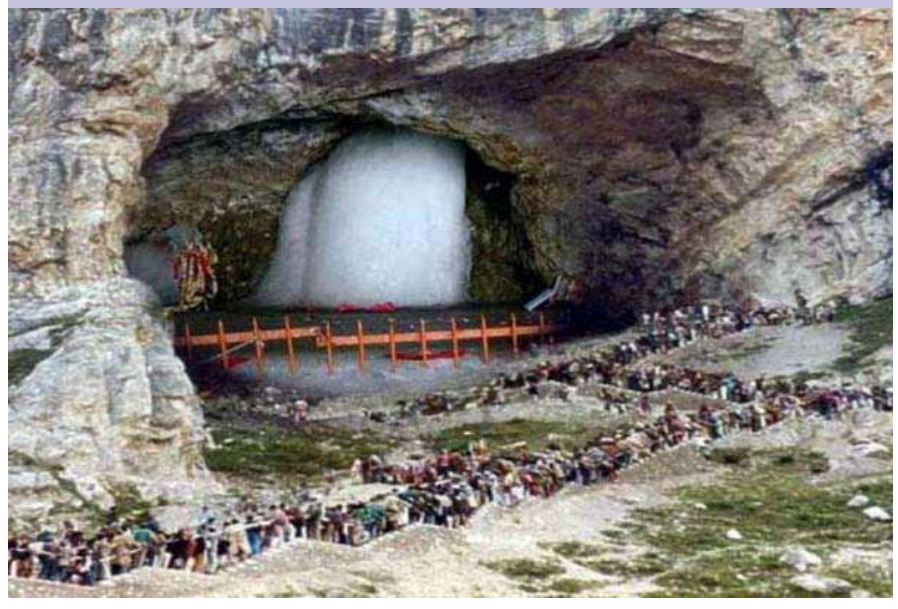

एसएएसबी के एक अधिकारी ने कहा, 'तीर्थयात्रियों को जम्मू–कश्मीर में यात्रा शुरू करने की अनुमति देने से पहले उनको वायरस के लिए क्रॉस–चेक किया जाएगा।'

साधुओं को छोड़कर सभी तीर्थयात्रियों को यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। यह भी तय किया गया है कि 15 दिनों के दौरान सुबह और शाम गुफा मंदिर में की जाने वाली 'आरती' का देश भर के भक्तों के लिए सीधा प्रसारण किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय मजदूरों की अनुपलब्धता और बेस कैंप से गुफा मंदिर तक ट्रैक बनाए रखने में कठिनाइयों के कारण, यात्रा 2020 के लिए गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप से गुफा तक पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर का उपयोग किया जाएगा।

यात्रा केवल उत्तरी कश्मीर बालटाल मार्ग से होकर निकलेगी। अधिकारियों ने कहा, 'इस वर्ष किसी भी तीर्थयात्री को पहलगाम मार्ग के माध्यम से यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।'

यात्रा का समापन 3 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा पर होगा, जिस दिन रक्षा बंधन का त्योहार होता है।

55 साल सेकम के लोगों को ही मिलेगी अनुमति

कमाई घटी फिर भी टॉप–100 सेलेब्रिटी में अक्षय कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड के खिलाड़ी के नाम से मशहूर अक्षय कुमार विश्व के सर्वाधिक कमाई करने वाले टॉप–100 सेलेब्रिटी में एकमात्र भारतीय है। हालांकि, अक्षय की कमाई में 22 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने पिछले एक वर्ष में 364 करोड़ रुपए (4.84 करोड़ डॉलर) की कमाई की है। फोब्र्स ने वर्ल्ड हाईएस्ट पैड सेलेब्रिटीज की सूची में अक्षय को 52वां स्थान दिया है। इस सूची में पूर्व के वर्षों में सुपरस्टार शाहरूख खान और सलमान खान शामिल थे। लेकिन, पिछले दो वर्षों से अक्षय कुमार ही इस सूची में जगह बना पाए हैं।

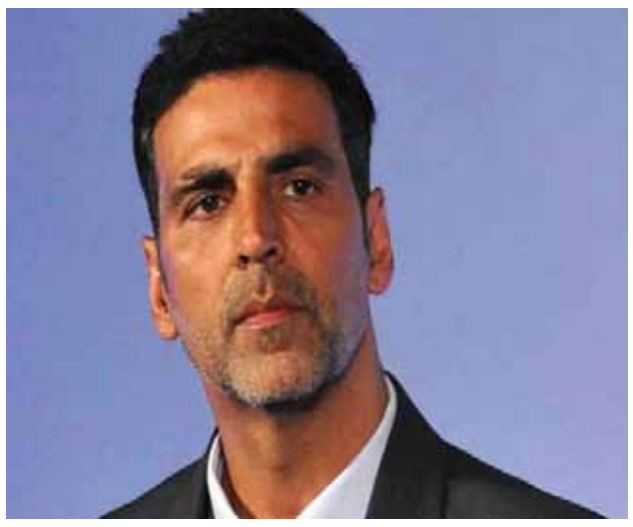

फोब्र्स के अनुसार, अक्षय की कमाई में पिछले वर्ष की तुलना में 22 फीसदी की कमी आई है। पिछली बार उन्हें 466 करोड़ रुपए की कमाई के साथ इस सूची में 33वां स्थान मिला था। अक्षय बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाने वाले अभिनेता हैं।

कोरोना पीडितों को दिए 25 करोड़

फोब्र्स ने अक्षय को भारत के सबसे बड़े दानदाता सेलिब्रिटीज में भी शुमार किया है। उन्होंने कोरोना रिलीफ फंड में 25 करोड़ रुपए दिए थे। अक्षय बॉलीवुड में पिछले दो दशक से है और इस मुकाम तक पहुंचने में उन्होंने कई उतार–चढ़ाव देखे हैं।

सूची में शीर्ष 5 सेलेब्रिटी

काइली जेनर (महिला व्यवसायी, अमेरिका, 4456 करोड़ रुपए)

कान्ये वेस्ट (संगीतकार, अमेरिका, 1284 करोड़ रुपए)

रोजर फेडरर (टेनिस प्लेयर, स्विट्जरलैंड, 803 करोड़ रुपए)

क्रिस्टियानो रोनाल्डो (फुटबॉलर, पुर्तगाल, 793 करोड़ रुपए)

लियोनेल मेसी (फुटबॉलर, अर्जेंटीना, 785 कराड़ रुपए)

ईडी मुख्यालय में संक्रमित मिलने के बाद बिल्डिंग सील सैनिटाइजेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में तेजी से बढ़ती कोरोना वायरस महामारी अब विकराल रूप धारण करती जा रही है। अब यह वायरस दिल्ली के खान मार्केट के लोक नायक भवन में स्थित प्रवर्तन निदेशालय के मुख्यालय तक पहुंच गया है। ईडी मुख्यालय में 5 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद बिल्डिंग को सैनेटाइज करने के लिए रविवार तक के लिए सील कर दिया गया है। इसके साथ ही इन कर्मचारियों के संपर्क में आए लोगों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। दिल्ली में कोरोना वायरस के 1,330 नए मामले सामने आने के बाद यहां कुल मामले बढ़कर 26,000 के पार हो गए। वहीं, मृतकों की संख्या बढ़कर 708 हो गई। अब तक के सर्वाधिक 1513 मामले तीन जून को सामने आए थे। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को जारी एक बुलेटिन के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 708 और कुल मामले बढ़कर 26,334 हो गए हैं। कुल 58 मौतें होने की

जानकारी चार जून को आई जो कि चार मई और तीन जून के बीच हुईं थीं। इनमें से 25 मौतें तीन जून को हुईं। गुरुवार को कुल मामले 25,004 थे जिसमें 650 मौतें भी शामिल थीं। 1330 नए मामलों के साथ दिल्ली में कोरोना वायरस के कुल मामले बढ़कर 26,334 हो गए।

दिल्ली में पिछले 10 दिन में कोविड–19 के मामले तेजी से बढ़े हैं, वहीं लोगों को संक्रमण मुक्त होने की दर घटकर चार जून को 39.58 प्रतिशत रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र (41,402) के बाद दिल्ली में सबसे ज्यादा (14,456) लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण के लिए इलाज चल रहा है। अगर मृत्यु दर की बात करें तो दिल्ली (650) इस लिहाज से महाराष्ट्र (2,710) और गुजरात (1,155) के बाद देश में तीसरे स्थान पर आती है। पिछले दो सप्ताह में यह पहली बार है जब संक्रमण मुक्त होने की दर 40 प्रतिशत से कम हुई है।

अमेरिका में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद दुनिया में उठी रंगभेद के खिलाफ आवाज

लंदन (एजेंसी)। अमेरिकी पुलिस की हिरासत में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद पूरी दुनिया में रंगभेद के खिलाफ की जोरदार आवाज उठी है। फ्लॉयड का नाम दुनिया के कोने–कोने में पहुंच चुका है। पिछले सप्ताह मिनियापोलिस पु. लिस की हिरासत में हुई फ्लॉयड की मौत के बाद केन्या के नैरोबी से लेकर सीरिया के इदलिब तक की दीवारों पर फ्लॉयड का चेहरा पेंट किया गया है। उनका नाम फुटबॉल खिलाड़ियों की शर्ट से लेकर लंदन, केप टाउन, तेल अवीव और सिडनी के लोगों की जुबान पर है।

इस प्रकार का समर्थन और आक्रोश अमेरिका की शक्ति और उसके विस्तार को परिलक्षित करता है जिसकी सबसे बुरी और सबसे अच्छी चीजें दुनिया का ध्यान आकर्षित करती हैं। इससे यह भी पता चलता है कि समाज में गहरे पैठ बना चुका नस्लवाद केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है। अमेरिकी प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के वास्ते पेरिस में आयोजित प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले जेवियर दिनतिमील ने कहा, यह अमेरिका में हुआ, लेकिन यह फ्रांस में भी होता है, यह हर जगह होता है। पेरिस के प्रदर्शनकारियों ने हम सभी जॉर्ज फ्लॉयड हैं का उद्घोष किया था और साथ में 24 वर्षीय अदमा ट्रोरे का नाम भी लिया था

जिसकी 2016 में पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। अधिकारी अभी भी उन परिस्थितियों की जांच में लगे हैं जिनमें ट्रोरे की मौत हुई थी। दुनियाभर के लोग अमेरिकी कहानियों को टेलीविजन और सिनेमा के पर्दे पर देखते हैं और समानता तथा स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर स्थापित लेकिन नस्लवाद और गुलामी की व्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले देश के प्रति आकर्षित होते हैं। बाहर से देखने पर अमेरिकी हिंसा और नस्ली भेदभाव विशिष्ट अमेरिकी संस्कृति का हिस्सा नजर आता है।

लेकिन इस बार ऐसा नहीं है, क्योंकि जब दुनिया ने एक श्वेत पुलिसकर्मी के घुटनों के नीचे फ्लॉयड को अपनी एक–एक सांस के लिए लड़ते हुए

देखा तब उन्हें यह अपने शहरों और नगरों में होते अन्याय जैसा ही नजर आया।

वरिष्ठ भाजपा नेता व रेल मंत्री पीयूष गोयल की मां चंद्रकांता गोयल का मुंबई में निधन

मुंबई (एजेंसी)। रेल मंत्री पीयूष गोयल की मां और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांता गोयल का शुक्रवार रात उनके आवास पर निधन हो गया। पीयूष गोयल ने ट्विटर पर यह खबर साझा की है। उन्होंने ट्वीट किया–उन्होंने अपना पूरा जीवन सेवा करते हुए बिताया, और हमें भी सेवाभाव से जीवन बिताने को प्रेरित किया। भाजपा नेता तथा महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री विनोद तावडे ने बताया कि चंद.कांता गोयल का अं.तिम संस्कार शनिवार सुबह किया गया। चंदकांता गोयल आपातकाल के बाद एक कार्यकाल के लिए मुंबई में पार्षद रहीं। बाद में वह तीन बार माटुंगा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक निर्वाचित हुईं। उनके पति दिवंगत वेद प्रकाश गोयल लंबे समय तक भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रहे। वह अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में जहाजरानी मंत्री भी रहरे थे।

राज्य नहीं कर रहे मांग, इस कारण श्रमिक ट्रेनों को बंद कर रहा रेलवे

अब तक 256 ट्रेनों को राज्य सरकारों ने रद्द किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्रालय की तरफ से जानकारी देकर एक अधिकारी ने बताया कि दरअसल अब राज्यों की तरफ से श्रमिक ट्रेनों की मांग नहीं की जा रही है।इसकारण यह कदम उठाया जा रहा है।

हालांकि रेल मंत्रालय ने कहा है कि अगर राज्य अब भी मंत्रालय से श्रमिक ट्रेनों की मांग करते हैं, तब उन्हें श्रमिक ट्रेन मिलेगी। कोरोना के कारण पूरे देश में लॉकडाउन की वजह से फंसे लाखों प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए रेलवे ने श्रमिक ट्रेन चलाने का फैसला लिया था।

1 मई यानी कि मजदूर दिवस के अवसर पर शुरु हुई, जो कि लगातार चल रही थी।

लेकिन अब भारतीय रेलवे ने सभी तरह की श्रमिक ट्रेनों को बंद करने का फैसला लिया है। रेल मंत्रालय ने बताया कि दरअसल अब राज्यों की तरफ से श्रमिक ट्रेनों की मांग नहीं की जा रही है।

इस कारण यह कदम उठाया जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि सारे मजदूर अपने गृह राज्य को लौट गए हैं।

यह खबर उन मजदूरों के लिए झटका है, जो अब भी दूसरे राज्यों में फंसे हुए हैं और उनके पास काम नहीं है। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश सहित कई राज्यों ने श्रमिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है।

रेलवे ने बताया कि अब तक के 4197 श्रमिक स्पेशल ट्रेन चली है।

इन ट्रेनों से लगभग 58 लाख श्रमिक अपने गृह राज्य को लौटे हैं।

लेकिन अब यह ट्रेनें चलनी बंद हो रही हैं। राज्य इन ट्रेनों को रद्द कर रहे हैं।

अब तक 256 ट्रेनों को रद्द किया जा चुका है। ट्रेनों को रद्द करने के मामले में महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहे। एक आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक के महाराष्ट्र सरकार ने 1 मई से अब तक 105 ट्रेनें रद्द कर दी है।

आपको बता दें कि श्रमिक ट्रेनों को चलाने को लेकर रेल मंत्री पीयूष गोयल महाराष्ट्र सरकार की लगातार आलोचना करते रहे हैं। गोयल ने यहां तक आरोप लगा दिया कि श्रमिक ट्रेनों को चलने में महाराष्ट्र सरकार सहयोग नहीं कर पा रही है और ना ही वह श्रमिकों को स्टेशन तक ला पा रही है।

महाराष्ट्र के बाद गुजरात ने 45 ट्रेनें, कर्नाटक ने 38 ट्रेनें और उत्तर प्रदेश में 30 श्रमिक ट्रेनें रद्द की हैं।

लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इन राज्यों ने सिर्फ ट्रेनें ही रद्द की हैं बल्कि यहां से काफी ट्रेनें खुली भी हैं।

पाकिस्तान में कोरोना से 30 लाख लोगों की जाएगी नौकरी

इस्लामाबाद(एजेंसी)। आर्थिक तंगी का सामना कर रहे पाकिस्तान में कोविड–19 महामारी की वजह से 30 लाख नौकरियां जाने की आशंका है। देश के वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। महामारी के कारण अर्थव्यवस्था को हुए अनुमानित नुकसान के बारे में सीनेटर मुश्ताक अहमद के सवाल के जवाब में वित्त मंत्रालय ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में 10 लाख नौकरियां और सेवा क्षेत्र में 20 लाख नौकरियां जाने की संभावना है। मंत्रालय ने पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स के अध्ययन का हवाला दिया और कहा कि कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्रों की अनुमानित एक करोड़ 80 लाख नौकरियों में कई नौकरियां इस महामारी के कारण चली जाएंगी। पाकिस्तान में कोरोना वायरस के कुल 89,249 मामले सामने आए हैं और अब तक कुल 1838 लोगों की मौत हो चुकी है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Facebook Twitter G+ Google play LinkedIn
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मानवता की गुहार

केरल में एक हथिनी की जिस तरह दर्दनाक मौत हुई है, उससे न केवल कानून-व्यवस्था, बल्कि मानवीयता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। अब जब भारी विरोध और आलोचना के बाद इस मौत या हत्या के दोषियों की गिरफ्तारी शुरू हो गई है, तब हमें पशु क्रूरता निवारण की दिशा में हर पहल का स्वागत करना चाहिए। गांधीजी ने स्पष्ट इशारा किया था कि आपकी सभ्यता की परख इस बात से होगी कि आप अपने पशुओं के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। लेकिन पता यह लगा है कि फल में छिपाकर पशुओं को बारूद या पटाखे खिला देना नई बात नहीं है। चुपचाप न जाने कितने पशु मार दिए गए होंगे। वह गर्भवती हथिनी भी बारूद वाला अनानास खाकर वहीं मारी जाती, तो यह खबर देश-दुनिया में सुर्खियां नहीं बनती, शायद अब तक ऐसा ही होता आया होगा। पर वर्षों से चल रहे इस अत्याचार का घड़ा शायद भर गया था। निर्दोष बेजुबानों की पीड़ा तब दूर तलक गई, जब उस बुरी तरह घायल हथिनी ने तीन दिन पानी में खड़े होकर लगभग सत्याग्रह या विलाप किया। हथिनी अकेली नहीं थी, उसके पेट में शिशु था। यह एक ऐसा घटनाक्रम है, जो दशकों तक याद रखा जाएगा और संवेदनशील लोगों को रुलाता रहेगा। आम तौर पर घायल होने के बाद जानवर आक्रामक हो जाते हैं, लेकिन वह हथिनी आक्रामक नहीं हुई, असह्य वेदना से बचने के लिए और शायद अपने गर्भ की चिंता में वह पानी की गोद में जा खड़ी हुई। काश! उसे तुरंत पानी से बाहर निकाल लिया जाता और उसका हरसंभव इलाज हो पाता, तो मानवता यूं शर्मसार नहीं हो रही होती। दोषियों को कतई माफ न किया जाए, साथ ही, अपनी फसलों को बचाने के इस बारूदी तरीके पर भी पूरी कड़ाई से रोक लगनी चाहिए। अभी पशुओं के साथ होने वाली क्रूरता को रोकने के लिए जो कानून हैं, वे शायद अपर्याप्त हैं और उन्हें लागू करने में सरकारी एजेंसियों की कोई खास रुचि नहीं है। ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए केरल सरकार को अपने स्तर पर पूरे इंतजाम करने होंगे। केरल की व्यापक छवि में हाथियों की अपनी गरिमामय उपस्थिति है। इसी प्रेम भाव के विकास के लिए पूरे राज्य में काम होने चाहिए। केरल या उसके किसी जिले या किसी समुदाय के खिलाफ नफरत की राजनीति समस्या का निदान नहीं है, लेकिन यह विवाद जिस तरह से बढ़ रहा है, उससे लगता है, यह सड़क, कोर्ट से विधानसभा तक गरमाएगा। अतः पशुओं के अधिकारों के लिए सक्रिय लोगों को पूरी सावधानी और संयम से स्थाई समाधान की ओर बढ़ना होगा, तभी वे लक्ष्य तक पहुंचेंगे। वैसे हाथियों के प्रति क्रूरता केवल केरल की समस्या नहीं है। छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा, पूर्वोत्तर से भी शिकायतें आती रहती हैं। इन हाथियों को जंगल से बाहर न आना पड़े, इसके प्रबंध बार-बार चर्चा व सिफारिश के बावजूद नहीं हो रहे हैं। कई बार चर्चा हुई है कि हाथियों के लिए जंगलों में फलदार पेड़ों के गलियारे होने चाहिए, ताकि उनकी जरूरत वहीं पूरी हो जाए। अब समय आ गया है, जब हाथी ही नहीं, तमाम वन्य जीवों-पशुओं को तरह-तरह से मारने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगना चाहिए। तभी अपार पीड़ा से लाचार उस हथिनी का जल-सत्याग्रह सफल होगा और हम अपने हृदय में मानव होने का तार्किक गर्व सहेज सकेंगे।

कृषि उत्पादों के कीमत संकट से जूझते किसान

देविंदर शर्मा

ओपन मार्केट इंस्टिट्यूट के निदेशक, रूढ़िवादी अमेरिकन लेखक ऑस्टिन प्रेरिक कहते हैं, '1980 में प्रत्येक डॉलर से 37 सेंट किसान के पास वापस पहुंच जाते थे। आज एक डॉलर में से सिर्फ 15 सेंट ही किसानों को मिल पाते हैं।' वह दशकों तक कुछ बहुराष्ट्रीय गठजोड़ों की आर्थिक शक्ति बढ़ाने के लिए एकाग्र होकर किए प्रयासों की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि यह कृषि आय के कम होने का प्राथमिक कारण है। उन्होंने टूटी हुई खाद्य प्रणाली को भी दुरुस्त करने का आह्वान किया। पिछले सप्ताह फाइनेंशियल टाइम्स के एक लेख में पूछा गया, 'क्या हमारी खाद्य संरचना टूट गई है? वास्तव में, यदि टूटी खाद्य संरचना को गूगल करें तो सैकड़ों लेख, रिपोर्ट्स एवं स्टडी उपलब्ध हैं जो सतत अभ्यास के साथ कृषि कार्य अपनाते हुए आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाने पर ध्यान देने के साथ वैश्विक कृषि को फिर से तैयार करने की सख्त आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं। कृषि संकट से संबंधित पॉपअप के लेखों को मौजूद 'टाइम पत्रिका' ने छापा, 'वे हमें मानचित्र से मिटाने का प्रयास कर रहे हैं। हेडलाइन चीखते हुए कहती है, छोटे अमेरिकी किसान खत्म होने के कगार पर हैं।' आप और पढ़ेंगे तो अहसास होगा कि ओपन मार्केट तथा कहीं भी, किसी को भी बेचने की आजादी के नाम पर छोटे किसानों को भूमिविहीन किया जा रहा है। बाजारों के पांच दशक एवं उससे भी ज्यादा समय के उदारीकरण, बड़े रिटेलर्स को सीमा रहित भंडारण और कमोडिटी वायदा बाजार में लागत के समय ही कीमत का संकेत देने के बावजूद, नेब्रास्का सीनेटर एवं पशुपालक अल डेविस के पास कहने के लिए यही शेष है : 'खेत एवं कृषक परिवार बड़े पैमाने पर विलुप्ति का सामना कर रहे हैं। यदि हम ग्रामीण जीवनशैली से विमुख होते हैं तो हम वह बड़ा हिस्सा खो चुके हैं, जिसने इस राष्ट्र को महान बनाया।' क्या भारत में कृषि बाजारों के योजनाबद्ध उदारीकरण पर अतिउत्साह का प्रदर्शन नहीं किया जा रहा है? आखिरकार, अगर कृषि उत्पादों की कीमतों को बाजार में छोड़ना जीत का फॉर्मूला है, तो यह विस्तृत तरीके से बताने की जरूरत नहीं कि अमेरिकी और यूरोपीय कृषि संकट में क्यों है। उरुग्वे दौर की बातचीत और 1995 में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के गठन के बाद से विकसित देशों द्वारा दी जा रही सब्सिडी एक विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। विश्व व्यापार संगठन के मंत्री स्तरीय कई सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व वाणिज्य मंत्री कमलनाथ अक्सर अमेरिका द्वारा बांटी गई सब्सिडी का हवाला देते हुए कहते थे, 'आप भारतीय किसानों से यूनाइटेड स्टेट के खजाने के साथ स्पर्धा की उम्मीद नहीं कर सकते।' बाद में मैक्सिको में मंत्रियों की बैठक में वाणिज्य मंत्री के तौर पर शामिल होने वाले अरुण जेटली ने भी इन्हीं भावों में सुर मिलाया। अब भी विकासशील देश सब्सिडी के इस गर्म बहस वाले मुद्दे पर पुनः चर्चा करने के लिए कहते हैं। यदि कृषि बाजार इतने कुशल होते तो अमेरिका और यूरोपीय संघ कृषि को बढ़ावा देने में विफल क्यों होते। अमेरिकन कृषि विभाग को इस बात की जानकारी है कि 1960 से वास्तविक कृषि आय में गिरावट आई है। यह तब है जब साल दर साल भारी सब्सिडी सहायता के तौर पर दी जाती रही। इसका प्राथमिक कारण यह है कि 80 प्रतिशत सब्सिडी कृषि व्यापार कंपनियों के पास जाती है और शेष 20 प्रतिशत बड़े कृषकों के हिस्से में आ जाती है। द यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट -भारत के वर्ष 2007 के एक अध्ययन में बताया गया कि यदि विकसित देशों में ग्रीन बॉक्स सब्सिडी (कृषि में घरेलू उत्पाद की सुरक्षार्थ) सब्सिडी हटा ली जाए तो अमेरिका, यूरोप व कनाडा से 40 प्रतिशत तक निर्यात गिर सकता है। विश्व व्यापार संगठन के अस्तित्व में आने के 25 साल बाद भी आर्गेनाइजेशन फॉर इकोनोमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलेपमेंट के तहत आने वाले देश कृषि के लिए उत्पादकों को भारी-भरकम सहायता प्रदान कर रहे हैं, वर्ष 2018 में यह 246 अरब डॉलर तक पहुंच गई। इसमें 28 यूरोपीय देश उत्पादकों की करीब 110 अरब डॉलर से सहायता करते हैं, जिसका लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा प्रत्यक्ष आय सहायता के तौर दिया जाता है। सब्सिडी में कोरोना काल के बाद और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। टूटी हुई खाद्य प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए बाजारों के पुनर्गठन की आवश्यकता है। अमेरिका, यूरोप या भारत जहां कृषि संकट बढ़ रहा है वहां प्रस्तावित सुधारों से पहले खेती को आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाने की जरूरत है, जिससे खेती का गौरव पुनः लौट सके। किसानों को बाजारों की दया पर छोड़ने का विकसित देशों को कोई लाभ नहीं हुआ। न ही कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग में ज्यादा मदद मिली। अब 103 अरब डॉलर के चॉकलेट उद्योग पर नजर डालते हैं। कोको बीन्स की कीमतें काफी हद तक कमोडिटी फ्यूचर्स द्वारा निर्धारित की जाती हैं। अकेले अफ्रीका दुनिया में कोको के लगभग 75 प्रतिशत का उत्पादन करता है लेकिन कोको उत्पादक किसानों को मुश्किल से 2 प्रतिशत राजस्व मिलता है तथा लाखों किसान बेहद गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं। ब्रिटेन में कई वर्षों तक दुग्ध उत्पादक किसान कीमतों की अस्थिरता से बचाने के लिए उचित मूल्य की मांग को लेकर सुपर मार्केट्स के आगे प्रदर्शन करते रहे। रिटेलर जितना बड़ा होता है, कीमतें तय करने का एकाधिकार उतना ही हो जाता है। ज्यादा मुनाफे की चाह और उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों को सुनिश्चित करने के लिए बड़े खुदरा बाजार अक्सर किसानों के लाभांश को पूरी तरह से निचोड़ देते हैं। विशाल भंडारण क्षमता वाले सेंसबरी और टेस्को जैसी बड़े रिटेलर्स किसानों को उच्च मूल्य उपलब्ध करवा रहे थे। किसानों को उचित और सुनिश्चित मूल्य प्रदान करना सबसे बड़ी चुनौती है। विकसित देशों में इसके लिए सभी तरीके आजमाए गए लेकिन ये परीक्षण विफल ही रहे हैं। इसने केवल किसानों को एक गंभीर संकट की ओर ही धकेला। जब तक किसानों को बेहतर कीमत का आश्वासन नहीं दिया जाता तब तक कहीं भी फसल बेचने की छूट उत्साहित नहीं कर सकती। कृषि-सुधार उद्योग को विपणन सुधार के रूप में जो चाहिए उस ओर आगे बढ़ने के बजाय हम एक ऐसी प्रणाली विकसित करें जो वास्तव में किसानों को आर्थिक रूप से व्यवहार्य और आत्मनिर्भर बनने में मदद करे। स्थानीय उत्पादन, स्थानीय खरीद और स्थानीय वितरण के आधार पर एक खाद्य प्रणाली विकसित करना भारत की जरूरत है। विपणन सुधारों के रूप में कृषि व्यवसाय उद्योग की आवश्यकता की ओर धकेले जाने की बजाय ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जो वास्तव में किसानों को आर्थिक तौर पर सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करे। यह तभी संभव है जब वर्तमान एग्रीकल्चर प्रोडेक्ट मार्केट कमेटी के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत किया जाए और व्यापार की मजबूत प्रणाली बनाई जाए, जहां अधिकतम बिक्री मूल्य आदर्श बन जाए।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

आज के ट्वीट

प्रसार

दिल्ली में कोरोना संक्रमण की उच्चतम वृद्धि दर चौंकाने वाली है। प्रचार में व्यस्त रहने वाली 'आप सरकार' कोरोना के प्रसार को रोकने में विफल रही है। दिल्ली में कोरोना वायरस का प्रसार तेजी से हो रहा है।

-- कांग्रेस

ज्ञान गंगा

धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य/ संसार में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, ताओ, कन्फ्यूशियस, जैन, बौद्ध, यहूदी आदि विभिन्न नामों से प्रचलित धर्म-सम्प्रदायों पर दृष्टिपात करने से यही पता चलता है कि उनके बाह्यस्वरूप एवं क्रिया-कृत्यों में जमीन-आसमान जितना अंतर है। यह अंतर होना उचित भी है, क्योंकि जिस वातावरण, जिन परिस्थितियों में वे पनपे और फैले है, उनकी छाप उन पर पड़ना स्वाभाविक है। मनीषी, अवतारी, महामानवों ने देश काल, परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठता-संवर्धन एवं निकृष्टता-निवारण के लिए जो सिद्धान्त एवं आचार शास्त्र विनिर्मित किए, कालान्तर में वे ही धर्म-सम्प्रदायों के नाम से पुकारे जाने लगे। इस कारण उनके बाह्य कलेवर में विविधता होना स्वाभाविक है। फिर भी, जहां तक मौलिक सिद्धान्तों की बात है, वह सभी तथाकथित धर्मों में एक ही है। सभी ने एक सार्वभौम सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करना, मानव का अंतिम लक्ष्य स्वीकार किया है। सभी प्रचलित धर्मों में 'प्रार्थना' को किसी न किसी रूप में स्वीकार किया एवं अपने दैनिक क्रिया-कृत्यों में सम्मिलित किया गया है। अमेरिका के विख्यात साइक्रियेटिस्ट डॉ. बिल के अनुसार-'कोई भी व्यक्ति, जो वास्तव में धार्मिक है, मनोरोगों का शिकार नहीं हो सकता।' मनःचिकित्सकों एवं मनोविश्लेषकों ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है कि धार्मिक कर्मकाण्डों में जो प्रार्थना की जाती है। प्रसिद्ध विचारक डेल कारनेगी ने लिखा है- 'जीवन की जटिलताओं और विषमताओं से संघर्ष करके सफलता पाने में कोई भी व्यक्ति अकेले समर्थ नहीं है, आस्था और विश्वास के साथ इस संघर्ष में विजय प्राप्त करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जाए।' मौलाना रूम ने कहा है- 'रूह की दोस्ती इल्म और ईमान से है, उसके लिए हिंदू, मुस्लिम, ईसाई आदि में कोई फर्क नहीं है।' प्रसिद्ध ईसाई धर्मोपदेशक जस्टिन ने कहा है- 'जितनी भी श्रेष्ठ विचारणाएं हैं, वे चाहे किसी भी देश या धर्म की हों, सब मनुष्यों के लिए ईश्वरीय निर्देश की तरह हैं।' शिव महिमा में उल्लेख है-जिस प्रकार बहुत सी नदियां भिन्न-भिन्न प्रकार से घूमकर अंततः समुद्र में ही जाकर गिरती हैं, उसी प्रकार मनुष्य अपने स्वभाव के अनुसार अलग-अलग धर्म, पंथों से चलकर उसी एक ईश्वर तक पहुंचते हैं। इंजील ने लिखा है- 'मनुष्य के नथुनों में जितने सांस आते हैं, उतने ही ईश्वर तक पहुंचने के रास्ते हैं।'

व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का सिरमौर अमेरिका

लेखक-सनत जैन/ 100 साल बाद एक बार फिर गरीबी और अमीरी का संघर्ष

पिछले 9 दशक में अमेरिका ने सारी दुनिया का नेतृत्व किया है। अमेरिका में लोकतांत्रिक व्यवस्था है । मानव सभ्यता, जिंदादिली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, बौद्धिक क्षमता, महत्वाकांक्षा, पुरुषार्थ, उद्यमशीलता ज्ञान और विज्ञान के कारोबार में अमेरिका ने पिछले 90 वर्षों में सारी दुनिया में बेहतर प्रदर्शन किया है। कोई भी देश नागरिकों से तैयार होता है। अमेरिका के नागरिकों ने समय-समय पर यह साबित किया है, कि वह अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे को तमाम विषमताओं के बाद भी सर्वोच्चता पर रखते हैं। हाल ही में कोरोनावायरस के संक्रमण तथा आर्थिक मंदी के कारण अमेरिका में बेरोजगारी काफी तेजी के साथ बढ़ी है। सरकार के तमाम प्रयास, बेरोजगारी भत्ता और कई पैकेज देकर नागरिकों को इस मुश्किल के समय सहायता देने में कोई कमी नहीं की है। इसके बाद भी नागरिकों की समस्याएं और आर्थिक स्थितियां दिनों दिन खराब होती जा रही हैं। अमेरिका के नागरिकों को बचपन से ही यह समझाया जाता है, कि अमेरिका दुनिया का सबसे बेहतर देश है। यहां के नागरिक सबसे ज्यादा सुरक्षित है। दुनिया के अन्य देशों से गए प्रवासी लोग भी अपने बच्चों को अमेरिकी नागरिक बनाने के लिए अमेरिका में उनका जन्म कराना चाहते है। इसमें भारतीय भी पीछे नहीं है। सरकार अपने नागरिकों के स्वास्थ्य रोजगार व्यक्तिगत सुरक्षा शिक्षण इत्यादि के मामले में अपने दायित्व को बड़े अच्छे तरीके से निभाती है। पहली बार कोरोना संक्रमण के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अमेरिका के नागरिकों का भ्रम टूटा है। पहली बार अमेरिका के नागरिकों को लगा, कि वह असहाय हैं। नस्लीय भेदभाव जैसी समस्याएं अमेरिका के लिए कोई नई बात नहीं है। लेकिन एक घटना, जिसमें एक पुलिसकर्मी ने एक अश्वेत नागरिक की गला घोटकर हत्या कर दी, इस घटना के बाद अमेरिका के श्वेत और अश्वेत नागरिक एक साथ विरोध में उठ खड़े हुए। राष्ट्रपति ट्रंप के अड़ियल रुख और अहंकार के कारण बेरोजगारी, आर्थिक मंदी और स्वास्थ्य सेवाओं से बेहाल, अमेरिका के नागरिक विरोध में सड़कों पर आ गए। 140 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन शुरू हो गए। कुछ शहरों के प्रदर्शन बड़े हिंसक हो गए। अमेरिका के व्हाइट हाउस में प्रदर्शनकारी घुस गए। राष्ट्रपति ट्रंप को उनके सुरक्षाकर्मी को बंकर में लेकर जाना पड़ा। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नस्लभेद की घटना अब गरीबी और अमीरी की लड़ाई में परिवर्तित हो गई है। देखते ही देखते अमेरिका के बेरोजगार, युवा और आर्थिक रूप से परेशान नागरिक सरकार के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के एकजुट हो गए। पुलिस ने इन प्रदर्शनों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। कई स्थानों पर पुलिस सफल भी हुई। किंतु राष्ट्रपति ट्रंप के अहंकार और उनके द्वारा दी गई धमकियों ने आग में घी डालने का काम किया। बेरोजगार और परेशान अमेरिकी नागरिक जगह-जगह लूटमार कर रहे हैं। उनके पास खाने-पीने और नियमित जरूरत का खर्च पूरा करने के लिए पैसा नहीं है। इसके साथ ही कोरोना संक्रमण से हो रही मौतों के कारण उनका जीवन भी सुरक्षित नहीं रहा है। जिसके कारण ठीक 100 वर्ष बाद, 1917 की जार क्रांति और प्रथम विश्व युद्ध के समय जो स्थिति बनी थी। वही स्थिति अमेरिका सहित यूरोप के कई देशों में देखने को मिल रही हैं।

अमेरिका में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर नागरिकों के साथ साथ वहां के जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और मीडिया राष्ट्रपति ट्रंप के विरोध में मुखर होकर अपनी बात कह पा रहा है। यह सारी दुनिया के लिए एक उदाहरण है। अमेरिका का राष्ट्रपति दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता है। राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं। जिनका सर्वत्र विरोध हो रहा है। मीडिया के निशाने पर ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद से ही अपने बयानों और अहंकार के कारण मीडिया से उनका टकराव लगातार बना हुआ है। वर्तमान संदर्भ में अमेरिका के नागरिक गरीबी और अमीरी की लड़ाई लड़ते हुए दिख रहे हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर अमेरिका का हर वर्ग जिस सजगता के साथ सामने आया है। वह सारी दुनिया के लिए एक मिसाल है। भारत में जिस तरह की स्थितियां बनी हुई हैं। उसको देखते हुए अमेरिकी लोकतंत्र से भारत के लोकतंत्र की तुलना कहीं से भी नहीं की जा सकती है। अमेरिका में जिस तरह से ट्रंप के खिलाफ उन्हीं के मंत्री अथवा उनके अधीनस्थ पुलिस के डीजे, ड्राप से भिन्न राय सार्वजनिक रूप से व्यक्त कर पा रहे हैं। यही मुख्यत जनता का लोकतंत्र पर भरोसा बताता है। यही कारण है, कि आज भी अमेरिका पूरी दुनिया का सिरमौर बना हुआ है। लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मानव अधिकारों को लेकर अमेरिकी नागरिक सजग एवं मुखर है।

यही कारण है, अमेरिका में आज भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर न्यायालय, पुलिस, कार्यपालिका स्वतंत्र रूप से काम कर पा रही हैं। अमेरिका का मीडिया भी स्वतंत्र होने के कारण सारे विषयों, घटनाओं को सामने लाकर नागरिकों के सामने एक भरोसे के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

विश्व कप क्वलीफायर में 8 अक्टूबर को कतर की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप 2022 क्वॉलिफाइंग में अपना मैच एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ आठ अक्टूबर क खेलेगी। कतर के खिलाफ भारत को अपना मैच 26 मार्च को भुवनेश्वर में खेलना था, लेकिन कोरोनावायरस के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था कतर के अलावा भारतीय टीम अपने अन्य मैच 12 नवंबर को मेजबान बांग्लादेश से और फिर 17 नवंबर को अफगानिस्तान की मेजबानी करेगी एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने विश्व संस्था फीफा के साथ विचार विमर्श के बाद फीफा विश्व कप 2022 क्वॉलिफाइंग की तारीखें तय की है भारत फीफा विश्व कप 2022 क्वॉलिफाइंग के ग्रुप-ई में पांच मैचों में तीन अंकों के साथ चौथे नंबर पर है। पांच टीमों की अंकतालिका में बांग्लादेश क टीम सबसे नीचे है।

भारत में आईपीएल आयोजित कराने पर बीसीसीआई 3-2 में बंटा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें संस्करण के आयोजन स्थल को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) 3-2 में बंट गया है। बहुमत इस बात को लेकर है कि इस लीग को भारत में ही आयोजित की जाए, लेकिन कई पक्ष ऐसे भी हैं, जो जरूरत पड़ने पर इसे देश से बाहर आयोजित कराना चाहता है। क्ष्ष्टष्ठ्ठ के एक अधिकारी ने कहा कि IPL के आयोजन को लेकर आम सोच यह है कि लीग भारत में ही हो। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो चाहते हैं कि परिस्थिति की मांग को देखते हुए अगर जरूरत पड़ती है तो लीग को भारत के बाहर भी ले जाया जा सकता है। अधिकारी ने कहा, देखिए, अगर आप इस तरह से वर्तमान परिदृश्य को समझना चाहते हैं तो यह निर्णय लेने वालों का 3-2 से विभाजित होने का मामला है। किसने क्या कहा, के नाम पर न जाते हुए, मैं आपको बता सकता हूं कि आम धारणा यह है कि भारत में लीग होना न केवल देश के लोगों में सकारात्मकता का प्रतीक होगा, बल्कि हमारी मदद भी करेगा क्योंकि हमें भी विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, लेकिन, यहां कुछ लोग ऐसा भी मानते हैं कि हर हाल में टूर्नामेंट का आयोजन होना चाहिए और ये उनकी प्राथमिकता है और इसका मतलब इसे देश से बाहर ले जाने की है। इसलिए ऐसे में जब हम सभी योजनाओं पर काम कर रहे हैं, तो आयोजन स्थल एक ऐसा क्षेत्र है जिसपर और ज्यादा विचार-विमर्श की आवश्यकता होगी। इसके अलावा खिलाड़ियों की सुरक्षा और सभी लोगों की सुरक्षा भी हमारी प्राथमिकता है। फ्रेंचाइजी एक अधिकारी ने कहा कि देश में टूर्नामेंट का आयोजन हमेशा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, देखिए, अगर लीग का आयोजन देश में होती है तो इससे न केवल विश्व का एक सकारात्मक संदेश जाएगा, बल्कि भारत के लोगों को भी यह विश्वास हो जाएगा कि हम चीजों को फिर से सामान्य करने में सफल रहे। साथ ही अगर आप बाहर जाते हैं तो यह थोड़ा महंगा भी होगा। इसलिए मेरा मानना है कि अधिकतर टीमें भारत को अपनी प्राथमिकता देगी। BCCI ने कोरोनावायरस महामारी के कारण IPL को अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर रखा है।

सचिन ने मंडेला के शब्दों खेल में दुनिया बदलने की ताकत को साझा किया

मुंबई (एजेंसी)।

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के शब्दों को कोट करते हुए शनिवार को कहा कि खेल में दुनिया बदलने की ताकत है। सचिन ने आईसीसी और लॉरेस स्पोटर्स को टैग करते हुए ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 2019 विश्व कप फाइनल का है, जिसमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफरा आर्चर अंतिम गेंद डालते हुए दिखाई दे रहे हैं और इसके बाद इंग्लैंड जीत जाती है। सचिन ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ÷नेल्सन मंडेला ने कहा था, खेल में दुनिया को बदलने की ताकत है। यह दुनिया को एक तरह से एकजुट करने की शक्ति रखता है जो बहुत कम लोग करते हैं। बुद्धिमानी के शब्द।÷ सचिन का यह वीडियो अमेरिका में पुलिस हिरासत में मारे गए अश्वेत नागरि जॉर्ज फ्लॉयड के संदर्भ में है। सचिन वीडियो क माध्यम से यह बताना चाहते हैं कि किस तरह सब मिलकर इंग्लैंड को चैंपियन बनाया था।

कतर में फीफा विश्व कप 2022 के लिए तीसरा स्टेडियम बनकर तैयार

कतर। सुप्रीम कमिटि फॉर डिलिवरी एंड लेगेसी एंड कतर फाउंडेशन ने शनिवार को फीफा विश्व कप कतर 2022 के लिए तीसरे स्टेडियम के निर्माण कार्य के पूरा होने की घोषणा कर दी है। सुप्रीम कमिटि फॉर डिलिवरी एंड लेगेसी एंड कतर फाउंडेशन के मुताबिक यह स्टेडियम एजुकेशन सिटी में है और इसे निर्धारित समय पर बना लिया गया है। एजुकेशन सिटी स्थित यह स्टेडियम कतर 2022 के लिए बनने वाले स्टेडियमों में तीसरा ऐसा स्टेडियम है, जिसका काम पूरा किया जा चुका है। इससे पहले 2017 में खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम और 2019 में अल जानोब स्टेडियम का काम पूरा कर लिया गया था। एजुकेशन सिटी स्थित इस स्टेडियम का निर्माण कार्य पूरा होने को लेकर 15 जून को एक समारोह आयोजित होगा। इस कार्यक्रम को लाइव किया जाएगा और कोविड-19 के दौरान इसके निर्माण में योगदान देने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स के योगदान को याद किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कोविड-19 के बाद फुटबाल के भविष्य, मानसिक स्वास्थ्य तथा फैन एक्सपीरिएंस पर भी चर्चा होगी।

अमेरिका ओपन में खेलने के लिए बनाए गए नियम काफी सख्त : जोकोविक

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

दुनिया के नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने कहा कि अमेरिका ओपन में खेलने के लिए जो नियम बनाए गए हैं, वे काफी सख्त हैं। अमेरिका ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का आयोजन का 24 अगस्त से 13 सितंबर तक होना है। अमेरिका टेनिस संघ (यूएसटीए) के आयोजकों ने कहा है कि वह टूर्नामेंट को तय समय पर आयोजित कराना चाहते हैं। ब्लिक आनलाइन डेली की रिपोर्ट के अनुसार, जोकोविक ने पर्वा टीवी से कहा, एक दिन पहले ही मेरी विश्व टेनिस के नेतृत्वकर्ताओं से फोन पर बात हुई थी। इस दौरान उन्होंने टेनिस सीजन को दोबारा शुरू करने के कई विकल्पों पर चर्चा की, खासतौर पर अगस्त के आखिर में अमेरिका ओपन के आयोजन को लेकर। लेकिन, अब तक पता नहीं है कि इसका आयोजन कब होगा। उन्होंने कहा, इसे लेकर उन्होंने हमें जो नियम बताए गए हैं, वे काफी कठोर है। अगर इसका पालन करते हैं तो हम मैनहटन भी नहीं जा सकते। हमें न्यूयॉर्क एयरपोर्ट के पास के होटलों में ही सोना पड़ेगा। हफ्ते में दो से तीन बार कोरोना टेस्ट कराना पड़ेगा। जोकोविक ने साथ ही कहा, हमें क्लब के भीतर सिर्फ एक सपोर्ट स्टाफ लाने की इजाजत होगी, जोकि बहुत मुश्किल होगा। हम कोच, फिटनेस ट्रेनर और फिजियोथेरेपिस्ट के बिना कैसे ट्रेनिंग कर सकते हैं। वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी ने कहा, आयोजकों के सभी सुझाव बहुत ही कड़े और पेचीदा हैं। लेकिन, मैं समझ सकता हूं कि आर्थिक वजहों, मौजूदा करार की वजह से आयोजकों पर टूर्नामेंट को कराने का दबाव है। इसलिए इस तरह की शर्तें लगाई गई हैं। हम देखेंगे कि क्या होता है।

संक्षिप्त समाचार

हरभजन ने संभावित निराशा को आक्रामकता में बदला : लक्ष्मण

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने अनुभवी स्टार आफ स्पिनर हरभजन सिंह की तारीफ करे हुए कहा है कि आफ स्पिनर ने अपनी संभावित निराशा को आक्रामकता में बदल दिया और इसी कारण उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। लक्ष्मण ने ट्विटर पर कहा, एक और खिलाड़ी जो आसानी से अपने करियर और निजी जीवन में मिले मुश्किल वक्त से भटक सकता था, उसने अपनी संभावित निराशा को आक्रामकता में बदल दिया। हरभजन सिंह ने करीब डेढ़ दशक तक अपना सर्वश्रेष्ठ स्तर कायम रखा। लक्ष्मण और हरभजन कोलकाता में 2001 में खेले गए उस टेस्ट मैच का हिस्सा थे, जिसमें भारत ने आस्ट्रेलिया को मात दी थी। हरभजन ने उस मैच में हैट्रिक ली थी। हरभजन ने उस मैच में 13 विकेट लिए थे और भारत ने पहली पारी में फॉलोऑन से पिछड़ने के बाद भी 171 रन से मैच जीता था।

महान खिलाड़ी माइकल जॉर्डन ने नस्लभेद के खिलाफ जंग में दिए 755 करोड़

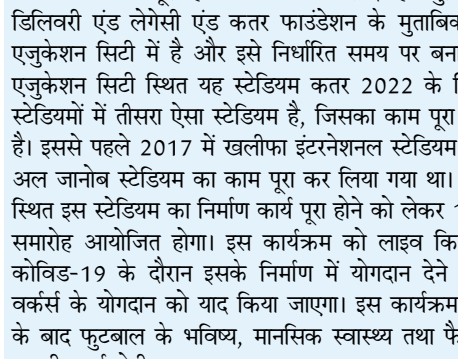

चार्लोट। महान बास्केटबॉल खिलाड़ी माइकल जॉर्डन और जॉर्डन ब्रांड ने नस्लीय समानता और सामाजिक न्याय को बढावा देने वाले संगठनों को दस करोड़ डॉलर दान देने का फैसला किया है। सोशल मीडिया पर शुक्रवार को एक संयुक्त बयान में जॉर्डन और जॉर्डन ब्रांड ने कहा कि यह पैसा अगले दस साल में दिया जाएगा और इसका मकसद नस्लीय समानता, सामाजिक न्याय को बढावा देना और शिक्षा को सुलभ बनाना होगा। इसमें कहा गया, 'यह विवादित बयान नहीं है। जब तक नस्लवाद खत्म नहीं हो जाता, हम अश्वेत व्यक्तियों का जीवन बेहतर बनाने और उनकी सुरक्षा के लिए काम करते रहेंगे।' जॉर्डन ने सामवार को जॉर्ज फ्लॉयड और अश्वेत व्यक्तियों की पुलिस के हाथों हत्या पर बयान भी दिया था। उन्होंने कहा था, 'मैं बेहद दुखी, आहत और क्रोधित हूं। मैं सभी का दर्द और आक्रोश महसूस कर सकता हूं। मैं उन लोगों के साथ खड़ा हूं जो अश्वेत व्यक्तियों के खिलाफ हिंसा और नस्लवाद का विरोध कर रहे हैं। अब बहुत हो चुका।'

जब भी भारत जल्दी विकेट गंवाता था तो द्रविड़ दीवार बन जाते थे : लतीफ

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ की तारीफ करते हुए कहा है कि जब भी तकनीक और दबाव में रहकर प्रदर्शन करने की बात होती है, तो द्रविड़ सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज बनकर सामने आते थे। लतीफ ने यूट्यूब चैनल कॉट बेहाइंड शो में कहा, जब भी तकनीक और दबाव में रहकर प्रदर्शन करने की बात आती है, तब राहुल द्रविड़ भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे सभी खिलाडियों से एक कदम आगे रहते हैं। जैसा, मैंने सहवाग के मामले में कहा था, द्रविड़ भी तेंदुलकर की छाया में खेलते रहे। लतीफ ने कहा कि जब भी भारत शुरूआत में ही जल्दी विकेट गंवा देता था तो द्रविड़ मुख्य बल्लेबाज के रूप में सामने आते थे और वह दीवार बन जाते थे। उन्होंने कहा, सचिन तेंदुलकर को शुरुआत से आक्रमण करने में द्रविड़ पर काफी भरोसा था। इसमें ऐसा नहीं कि द्रविड़ उस प्रकार नहीं खेल सकते थे, लेकिन वह अलग भूमिका निभाते थे। जब भारत को जल्दी ही शुरुआती झटके लगता था तो उनका प्रमुख खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ही होता था। तभी तो वो द वॉल कहलाए। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, अगर आप साझेदारियों को देखेंगे तो तेंदुलकर, गांगुली और सहवाग के साथ सबसे ज्यादा बार नाम द्रविड़ का नाम ही पाएंगे। गांगुली और द्रविड़ ने 1999 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ रिकॉर्ड 318 रनों की साझेदारी की थी। वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 300 या उससे ज्यादा की साझेदारी हुई थी। पाकिस्तान के लिए 37 टेस्ट और 166 वनडे मैच खेलने वाले लतीफ ने कहा, मुझे ऐसी जगह बताइए, जहां उन्होंने रन नहीं बनाए हो। उन्होंने पाकिस्तान में रन बनाए। आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड सभी जगह रन बनाए हैं।

शिखर और मैं मैदान के बाहर भी बहुत अच्छे दोस्त : रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने खुलासा किया है कि वह अपने सीमित ओवरों के सलामी जोड़ीदार शिखर धवन के साथ मैदान के बाहर भी काफी अच्छे दोस्त हैं और इससे क्रिकेट के मैदान पर एक जोड़ी के रूप में उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलती है। सचिन तेंदुलकर और सौरभ गांगुली के बाद शिखर धवन और रोहित शर्मा कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए सलामी जोड़ी की जिम्मेदारी निभाते आ रहे हैं। यह दोनों मैदान के अंदर ही नहीं मैदान के बाहर भी अच्छी साझेदारी शेयर करते हैं। ये दोनों 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से भारत के लिए पारी की आगाज करते आ रहे हैं। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर पर ओपन नेट्स विद मयंक (अग्रवाल) के दूसरे एपिसोड की झलक शेयर की जहां रोहित ने कहा, मैदान से कहीं ज्यादा हम मैदान के बाहर की चीजों को साझा करते हैं। हम एक दूसरे को काफी अच्छे से जानते हैं और काफी सहज रूप से एक दूसरे को समझते हैं, जोकि काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जब हम इंडिया-ए दौरे पर थे तो हम एक साथ रूम साझा करते थे। क्षसलिए एकसाथ होने का हमारे पास काफी इतिहास है। एक व्यक्ति के रूप में हम दोनों एक दूसरे को काफी अच्छे तरीके से समझते हैं और इससे मैदान पर हमें काफी मदद मिलती है। दूसरी ओर धवन ने भी इसे स्वीकार किया और उम्मीद की कि आने वाले वर्षों में वे भी भारत के लिए प्रदर्शन जारी रखेंगे। धवन ने कहा, हम पहले दिन से ही मैदान पर काफी अच्छे दोस्त थे, खासकर तब जब हमने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए पारी की शुरूआत की थी। हालांकि, हमने इससे पहले भी एक अच्छी दोस्ती साझा की थी। उन्होंने कहा, इसलिए कि मैदान पर हमारे बीच साझेदारी के दौरान भी यह देखने को मिलता है। उनके साथ यह एक शानदार सफर रहा है। मैंने इसका पूरा आनंद लिया है और उम्मीद है कि हम इसे कुछ और वर्षों जारी रख सकते हैं।

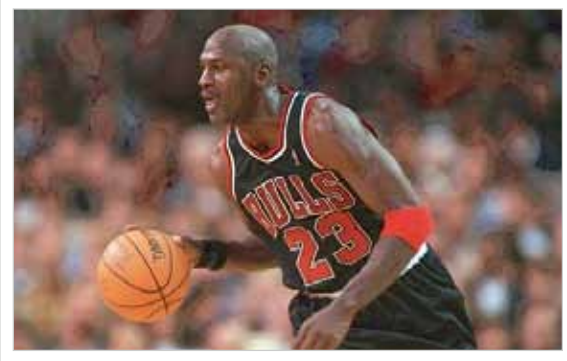

ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का शतक पूरा करना चाहते हैं लिएंडर पेस

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों का शतक करने से सिर्फ तीन टूर्नामेंट दूर है लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण खेल प्रतियोगिताएं ठप्प होने से इस उपलब्धि को हासिल करने को लेकर उनके मन में अनिश्चितता बरकरार है। अपने शानदार करियर में 18 गैंडस्लैम खिताब जीत चुके पेस तोक्यो ओलंपिक में खेलकर रिकार्ड भी बनाना चाहते हैं। पेस ने टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के 'चैट शो' 'स्पॉटलाइट' में कहा, 'ओलंपिक में अभी काफी समय है। मुझे नहीं लगता कि टेनिस टूर्नामेंट जुलाई या अगस्त तक शुरू हो पाएंगे। यह शायद अक्टूबर या नवंबर से शुरू हो, अभी किसी को कुछ नहीं पता। मैं और मेरी टीम बहुत अच्छी तरह से तैयार हैं कि जब लॉकडाउन खुलेगा तब हम उसका मूल्यांकन करेंगे और तय करेंगे हमें 2021 में खेलना चाहिए या नहीं।' पेस 17 जून को 47 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह एक और उपलब्धि को हासिल करना चाहेंगे।

एएफसी एशियन कप में खेलना मेरा सपना था : आशालता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत को एएफसी महिला एशियन कप 2022 फाइनल्स की मेजबानी मिलने पर भारतीय महिला टीम के खिलाड़ियों ने खुशी जाहिर की है। हालांकि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल का अभी फैसला नहीं हुआ है और बाद में इस पर निर्णय लिया जाएगा। भारतीय महिला फुटबाल टीम की कप्तान आशालता देवी ने इस बीच कहा है कि एएफसी महिला एशियन कप में उनका सपना होगा। आशालता ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की वेबसाइट पर कहा, एएफसी एशियन कप में खेलना मेरा सपना था और अब हम ही इसकी मेजबानी कर कर रहे हैं। मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं। इसके लिए मैं एआईएफएफ और महिला समिति को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने टूर्नामेंट को भारत में कराने के लिए काफी प्रयास किए। यह बहुत बड़ा कदम है। पूरे महाद्वीप की नजरें हम पर ही होंगी। उन्होंने एक व्यक्तिगत किस्सा भी साझा किया, जिसमें उनके और खिलाड़ियों को मंच के महत्व को दर्शाया गया है। कप्तान ने कहा, जबसे मैंने फुटबाल खेलना शुरू किया है, तब से मेरा कोई भी मैच मैंने मां को नहीं दिखाया है। मैं सही समय का इंतजार कर रही थी, जो अब 2022 में आने वाला है। मैं मां को एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ अपना मैच देखने के लिए बुलाना चाहती हूं। भारतीय महिला फुटबाल की टीम की मुख्य कोच मेमोल रॉकी ने कहा कि वह भी इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें विश्वास है कि उनकी टीम इसमें बेहतर प्रदर्शन करेगी। कोच ने कहा, भारत में इस टूर्नामेंट के होने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। इसके लिए मैं एआईएफएफ को शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जो इसे भारत में लेकर आए। इसकी तैयारियों के लिए हमारे पास डेढ़ साल का समय है और मुझे विश्वास है कि हम अच्छी लय में होंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें सपोर्ट करने के लिए आएंगे और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगी। टीम की गोलकीपर अदिती चौहान ने इसे एक बहुत बड़ा मौका बताया और साथ ही कहा कि उनके ऊपर यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, खुद को साबित करने का हमारे पास यह एक अच्छा मौका है। लेकिन साथ ही हमारे ऊपर एक बहुत जिम्मेदारी भी है कि हम अपने समर्थकों की उम्मीदों पर खड़ा उतरें। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने हाल ही एआईएफएफ को एएफसी महिला एशिया कप 2022 फाइनल्स की मेजबानी करने को अपनी मंजूरी दी है। भारत को अगले साल 17 फवरी से सात मार्च तक फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी भी करनी है। एआईएफएफ ने इससे पहले 2017 में फीफा अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी।

धोनी के चेहरे से लगा, वह भारत-इंग्लैंड विश्व कप जीतना चाहते थे : होल्डिंग

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने हाल में अपन किताब में विश्व कप-2019 में भारत का इंग्लैंड के साथ खे गए मैच में रनों के लक्ष्य का पीछा किए जाने पर सवाल उठाय था। लेकिन इस मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया, ज पाकिस्तान के एक पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि पाकिस्तान क नॉकआउट में पहुंचने से रोकने के लिए भारत जानबूझकर इंग्लैं से हारा था। हालांकि अब वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबा माइकल होल्डिंग ने भी इस मामले में अपनी राय रखी है। होल्डिंग ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ईमानदारी कहूं तो बहुत से लोग वो मैच देख रहे थे। लेकिन उनके अंदर बेन स्टोक्स जैसे ख्याल नहीं आए होंगे कि भार ने जीतने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा, ये कोई ऐसा मैच नहीं था जिसे भारत को जीतना ही था। लेकि मुझे नहीं लगता कि कोई ये कहेगा कि टीम की रणनीति है कि हमें इस मैच में हारना है। मैंने मैच देखा और ऐस लगा कि भारत अपना शत-प्रतिशत नहीं दे रहा है। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, लेकिन ये कोई मुद्दा नहीं है कि व जीतना नहीं चाहते थे। धोनी के चेहरे से लग रहा था कि वो इस मैच को किस कदर जीतना चाहते हैं। तो मे हिसाब से नहीं लगता कि टीम का ये निर्णय होगा कि हमें हारना है।

कोरोना से निपटने में महत्त्वपूर्ण हो सकती है 'आयुष्मान भारत' योजनाः डब्ल्यूएचओ

संयुक्त राष्ट्र।

कोविड-19 महामारी ने जहां दुनिया के कई देशों के लिए बड़ा संकट खड़ा किया है, वहीं यह भारत के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत को आगे बढ़ाने का 'अवसर' साबित हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रॉस अदानोम गेब्रेयससयह राय व्यक्त की है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक गेब्रेयसस ने भारत में कोविड-19 की स्थिति पर सवाल के जवाब में कहा कि यह भारत के लिए विशेषरूप से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने का अवसर है। भारत में कोरोना वायरस के मामले अब भी काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को कोरोना वायरस के मामलों की संख्या में इटली को पीछे छोड़कर भारत छठे स्थान पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में कोविड-19 संक्रमण के मामले 2,36,657 पर पहुंच गए हैं। अब तक यह महामारी देश में 6,642 लोगों की जान ले चुकी है। गेब्रेयसस ने शुक्रवार को जिनेवा में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''निश्चित रूप से कोविड-19 दुनिया के कई देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, लेकिन हमें इसें अवसरों को भी खोजना होगा। उदाहरण के लिए भारत में यह आयुष्मान भारत योजना को आगे बढ़ाने का अवसर है। विशेषरूप से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान दिया जा सकता है। मुझे इस बात की जानकारी है कि सरकार आयुष्मान भारत को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2018 में इसकी शुरुआत की थी। मोदी ने पिछले महीने कहा था कि इस योजना का लाभ लेने वालों की संख्या एक करोड़ को पार कर गई है। इस योजना के दायरे में 50 करोड़ लाभार्थियों को लाने का लक्ष्य है।

योजना के तहत प्रति परिवार हर साल पांच लाख रुपये का बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है।

डिविस लैब का चौथी तिमाही शुद्ध लाभ 33 प्रतिशत बढ़कर 388 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली. दवा कंपनी डिविस लैबोरेट्रीज को बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 388.23 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 291.97 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ से 32.96 प्रतिशत अधिक है। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत कुल आय बढ़कर 1,466.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1,307.97 करोड़ रुपये रही थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का शुद्ध लाभ मामूली बढ़त के साथ 1,376.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,352.74 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी की आय बढ़कर 5,584.05 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 5,101.89 करोड़ रुपये थी। कंपनी निदेशक मंडल ने 16 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है और उसका भुगतान किया है। अंतिम लाभांश के लिए कोई सिफारिश नहीं की गई है।

ऑनलाइन क्लासेज अल्पावधि समाधान, स्कूलों को बाधाओं से पार पाने में सक्षम बनाना होगाः निलेकणी

नयी दिल्ली. इंफोसिस के चेयरमैन नंदन निलेकणी का कहना है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण स्कूलों के बंद होने से शिक्षण संबंधी गतिविधियों के लिये ऑनलाइन माध्यम अपनाया जाना अल्पकालिक समाधान है। स्कूलों को बाधाओं से पार पाते हुये काम करने में सक्षम बनाना होगा। उन्होंने अशोक यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित आभासी संगोष्ठी 'स्कूलों का भविष्य- कोविड-19 की चुनौतियों एवं अन्य से उबरना' को संबोधित करते हुए कहा, हमें स्कूलों के बारे में इस तरह से सोचने की जरूरत है कि वे किसी भी मुसीबत में निर्बाध तरीके से काम कर सकें। उन्होंने कहा, ''क्लासरूम एकमात्र स्थान नहीं होना चाहिये, शिक्षक अकेला मार्गदर्शक नहीं होना चाहिये और पाठ्यक्रम अकेला माध्यम नहीं होना चाहिये।'' निलेकणी ने कहा, ''हर चीज को तेजी से ऑनलाइन माध्यम पर ले जाया जाना, जूम क्लासेज, स्मार्टफोन के माध्यम से शिक्षण, ये सब ऐसे अल्पकालिक समाधान हैं जो आवश्यक हैं लेकिन पर्याप्त नहीं है। हमें स्कूलों के बारे में मौलिक रूप से नये तरीके से सोचने की जरूरत है और अगले कुछ साल के लिये एक ऐसी टिकाऊ प्रणाली बनाने की जरूरत है जो बाधाओं से पार पाने में सक्षम हो।''

डब्ल्यूसीएल ने कर्मचारियों, अंशधारकों के लिए मोबाइल, डेस्कटॉप एप शुरू किया

नयी दिल्ली, कोल इंडिया की इकाई वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (डब्ल्यूसीएल) ने अपने कर्मचारियों और अंशधारकों के लिए मोबाइल और डेस्कटॉप एप 'संवाद' पेश की है। यह एप सुझावों, प्रतिक्रिया और अनुभवों को साझा करने को वर्चुअल मंच के रूप में काम करेगी। कंपनी ने यह एप ऐसे समय पेश की है जबकि कोविड-19 संकट के मद्देनजर तमाम संगठन वर्चुअल माध्यमों का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि संवाद कर्मचारियों और अंशधारकों के लिए मोबाइल और डेस्कटॉप एप है। यह एप सुझाव, जानकारी या अनुभव साझा करने के वर्चुअल मंच के रूप में काम करेगी। त्वरित प्रतिक्रिया टीम सवालों और अन्य जानकारियों पर सात दिन की अवधि में जवाब देगी। वेस्टर्न कोलफील्ड्स ने एक डिजिटल निगरानी प्रणाली 'डब्ल्यूसीएल आई' भी शुरू की है जो कंपनी की 15 खानों के परिचालन की चौबीसों घंटे निगरानी करेगी। कंपनी के कुल कोयला उत्पादन में इन खानों का हिस्सा 70 प्रतिशत है। इस प्रणाली से कोयले के भंडार और साइडिंग पर कोयले की उपलब्धता की निगरानी भी की जा सकेगी।

भारत ने मलेशिया से आयात होने वाले इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर पर लगाई एंटी डंपिंग ड्यूटी

नयी दिल्ली। भारत ने मलेशिया से आयातित इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगा दिया है। यह कदम घरेलू कंपनियों को सस्ते आयात से संरक्षण देने के लिए उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच के बाद मलेशिया से आयातित कैलकुलेटरों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। राजस्व विभाग की अधिसूचना में कहा गया है कि कैलकुलेटर पर 0.92 डॉलर प्रति इकाई का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। यह पांच साल तक लागू रहेगा। डीजीटीआर ने अपनी जांच में पाया कि मलेशिया से कैलकुलेटर का आयात सामान्य कीमत से कम पर हो रहा है। इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है और यह डंपिंग का मामला बनता है। डीजीटीआर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। इस पर अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय लेता है। अजंता एलएलपी ने मलेशिया से आयातित कैलकुलेटर पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने को आवेदन किया था। दोनों देशों के बीच 2018-19 में द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 17.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 14.71 अरब डॉलर था।

मुंबई हवाईअड्डे पर स्पाइसजेट की सीढ़ियों से टकराया इंडिगो का विमान, पंखों और इंजन को नुकसान

नेशनल डेस्क-

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर खड़े इंडिगो के एक विमान को तेज हवाओं के बीच प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्पाइसजेट के विमान की सीढ़ी (स्टेप लैडर) से टक्कर लग गई। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि घटना में विमान के पंखों और इंजन के कवर को नुकसान पहुंचा है। आंशिक परिचालनों के कारण, कई विमान देशभर के हवाईअड्डों पर खड़े हैं। इंडिगो ने कहा कि स्पाइसजेट की सीढ़ी अपनी जगह से अलग हो गयी और खड़े विमान से टकरा गयी। शनिवार सुबह हुई इस घटना की अधिकारी जांच कर रहे हैं। एमआईएएल के प्रवक्ता ने कहा कि भारत पर मंडरा रहे अप्रत्याशित चक्रवाती तूफानों ने हवाईअड्डों पर खड़े विमानों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। तेज हवाओं के कारण, इंडिगो के वीटी-आईएचएन को मुंबई में स्पाइसजेट की सीढ़ी से टक्कर लगी जिससे उसके पंखों और इंजन कवर को कुछ नुकसान पहुंचा है। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि यह घटना सुबह मुंबई हवाईअड्डे पर हुई। प्रवक्ता ने बताया कि संबंधित अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। स्पाइसजेट ने कहा कि उसकी सीढ़ी पुरी तरह सुरक्षित है। स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, छह जून को, स्टाइसजेट की सीढ़ी मुंबई हवाईअड्डे के स्टैंड सी87 (जहां हमारा विमान वीटी-एसएलए खड़ा था) पर खड़ी की गई थी। वहीं स्टैंड सी 86 पर इंडिगो का विमान खड़ा था। दोनों विमान उस वक्त सेवा में नहीं थे। प्रवक्ता ने कहा कि सुबह करीब साढ़े सात बजे, अचानक तेज हवाएं चलने लगीं। मौसम को लेकर कोई पूर्व चेतावनी या परामर्श नहीं दिया गया था। स्पाइसजेट की सीढ़ी जिसे ठीक से खड़ा किया गया था, पीछे की ओर खिसक गई और दाहिने पंख की तरफ से इंडिगो के विमान से टकरा गयी।

इकॉनमी पर संकट, लेकिन अकाउंट में पैसे डालने से नहीं सुधरेंगे हालातः सुब्रमण्यम

बिजनेस डेस्कः

कोरोना वायरस के कारण दुनिया की मजबूत से मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की हालात खराब हो गई है। ऋवार को रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इस वायरस का देश की इकॉनमी पर असर उम्मीद से कहीं ज्यादा गंभीर है। मांग में भयानक गिरावट आई है। बेरोजगारी संकट के कारण यह आने वाले दिनों में और गहरा सकता है। इन तमाम परिस्थितियों के बीच देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यम ने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा कि लोगों के खाते में पैसे डालने से हालात नहीं सुधरने वाले हैं। इधर राहुल गांधी और कांग्रेस पिछले कई हफ्तों से सरकार से यह मांग कर रहे हैं कि गरीबों, मजदूरों और एमएसएमई की वित्तीय मदद की जाए। उनका कहना है कि लोगों को खातों में अगले छह महीनों के लिए 7500 रुपए महीने भेजे जाएं और तत्काल 10 हजार रुपए दिए जाएं।

रोजगार पैदा करना अहम

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के वर्तमान हालात में रोजगार पैदा कर सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके लिए हम रूस्स्क्ष सेक्टर पर जोर दे रहे हैं। इस सेक्टर को हरसंभव मदद दी जा रही है। बता दें कि इस सेक्टर का जीडीपी में योगदान 30 फीसदी और करीब 15 करोड़ लोगों को रोजगार मिलता है। 20 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर भारत पैकेज में 3 लाख करोड़ का गारंटी फ्री लोन तो केवल इस सेक्टर के लिए घोषित किया गया है।

रेटिंग घटाने से घबराने की जरूरत नहीं है

हाल ही में क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने देश की सॉवरिन रेटिंग घटा दी है। इसका असर विदेश से आने वाले निवेशकों पर होगा। रेटिंग घटाने को लेकर केवी सुब्रमण्यम ने कहा कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। रेटिंग एजेंसियों ने 30 से ज्यादा देशों की रेटिंग घटाई है। हम अभी कर्ज लौटाने में100 फीसदी सक्षम हैं, इसलिए कुछ समय बाद रेटिंग फिर से अपग्रेड हो जाएगी।

खपत और निवेश में लगातार आ रही है गिरावट

केवी सुब्रमण्यम ने अर्थव्यवस्था को लेकर जो एकबात कही है वह बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि फरवरी के महीने से ही खपत (**Consumption**) और निवेश (**Investment**) घटना शुरू हो गया था। भारत की जीडीपी मुख्य रूप से इसी पर टिकी हुई है।

पिछले आठ तिमाही से भारत की विकास दर लगातार गिरती जा रही है। जनवरी-मार्च तिमाही में यह गिरकर 3.1 फीसदी पर पहुंच गई।

एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को दिया बड़ा तोहफा! लॉन्च की नई स्कीम

बिजनेस डेस्कः

अगर आपका खाता भी एचडीएफसी में खाता है तो आपके लॏए अच्छी खबर है। एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों के लिए समर ट्रीट्स के नाम से एक ऑफर को लॉन्च किया है। इसके तहत डिस्काउंट, नो-कॉस्ट ईएमआई, नो डाउन पेमेंट, कैशबैक, रिवॉर्ड प्वॉइंट्स समेत कई ऑफर मौजूद हैं। कंपनी के एक बयान के मुताबिक देश के लॉकडाउन से बाहर निकलने पर ग्राहकों की बदलती हुए जरूरतों के मुताबिक ऑफर दिए जा रहे हैं। ये ऑफर बैंक के कार्ड, ईएमआई, लोन और **Payzapp** पर मिलेंगे। बैंक ने कहा कि कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों ने ग्राहकों के लाइफस्टाइल और मांगों को बदला है। वर्क फ्रॉम होम और घर पर ही स्कूल की पढ़ाई से फोन, टैबलेट, कंप्यूटर और संबंधित एक्सिसरीज की मांग में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ सुरक्षित डिजिटल भुगतान और निजी परिवहन की मांग भी बढ़ रही है। इसके अलावा भी कई सारे बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, एजुकेशनल, एंटरटेनमेंट व फिटनेस सब्सक्रिप्शंस आदि की मांग बढ़ी है। इसी तरह दुकानों और कारोबारों का खुलना शुरू हुआ है, उन्हें बिजनेस फाइनेंस की जरूरत है।

HDFC बैंक दे रहा है ये ऑफर्स

- **iPhone SE** लॉन्च पर एक्सलूसिव डिस्काउंट
- लार्ज अप्लायंसेज पर नो कॉस्ट ईएमआई और नो डाउन पेमेंट का ऑप्शन
- चुनिंदा ब्रांड्स पर डिस्काउंट और कैशबैक
- क्रेडिट कार्ड के जरिए ऑनलाइन खर्च करने पर 50 फीसदी अतिरिक्त रिवॉर्ड प्वॉइंट्स
- बैंक के कार लोन पर पहले तीन महीनों के लिए 70 फीसदी तक कम ईएमआई का ऑफर
- बैंक के टू-व्हीलर लोन पर तीन महीनों के लिए 50 फीसदी तक कम ईएमआई का ऑफर
- सैलरी प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के लिए ओवरड्राफ्ट की सुविधा
- सेल्फ एंप्लॉइड ग्राहकों के लिए कई कस्टम मेड फाइनेंस स्कीम्स
- पर्सनल लोन, गोल्ड लोन, क्रेडिट कार्ड पर लोन, प्रॉपर्टी पर लोन, बिजनेस और होम लोन पर ऑफर्स
- डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या **Payzapp** के जरिए ऑनालइन खर्च पर अतिरिक्त रिवॉड्र्स

एचडीएफसी बैंक की सीनियर सिटीजन केयर स्कीम

हाल ही में एचडीएफसी बैंक ने सीनियर सिटीजस के लिए सीनियर सिटीजन केयर एफडी नाम से स्कीम शुरू की है। बैंक अनुसार वरिष्ठ नागरिकों को 5 साल से अधिक और 10 साल से कम अवधि के फिक्स्ड डिपॉजिट पर सामान्य ग्राहकों को दिए जाने वाले ब्याज से 0.75 फीसदी अधिक ब्याज देगा। बता दें कि 5 साल तक के जमा पर वरिष्ठ नागरिकों और अन्य की तुलना में 0.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। इस स्कीम के तहत निवेश करने पर अधिकतम 6.50 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा।

एफएमसीजी क्षेत्र के लिए निकट भविष्य का परिदृश्य काफी अनिश्चित- एचयूएल

नई दिल्लीः

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने कहा है कि एफएमसीजी क्षेत्र के लिए निकट भविष्य का परिदृश्य काफी अनिश्चित है। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 का क्षेत्र पर काफी बुरा असर पड़ा है। एफएमसीजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने मौजूदा स्थिति को सामान्य से कहीं अधिक अनिश्चित करार देते हुए कहा कि उसे इस संकट से निपटने की अपनी क्षमता पर भरोसा है। एचयूएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने कंपनी की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, %स्थिति काफी उतार-चढ़ाव वाली है। इस महामारी का रुख क्या रहेगा, यह बता पाना मुश्किल है। इसकी वजह से होने वाले आर्थिक संकट और संरचनात्मक नुकसान का अनुमान लगाना कठिन है। नियंत्रण के उपाय भी अनिश्चित हैं।' उन्होंने कहा कि आज कई चीजें ऐसी हैं जो अज्ञात हैं। ऐसे में निकट भविष्य का परिदृश्य काफी अनिश्चित है। मेहता ने कहा कि कोरोना वायरस और नियंत्रण उपायों से आपूर्ति और मांग प्रभावित हुई है। इससे एफएमसीजी क्षेत्र की वृद्धि पर असर पड़ा है। इसके बावजूद क्षेत्र की मध्यम से दीर्घावधि की वृद्धि संभावनाओं को लेकर हम आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य की चुनौतियों के बावजूद हमें भरोसा है कि मध्यम से दीर्घावधि में एफएमसीजी क्षेत्र की वृद्धि अच्छी रहेगी। उन्होंने कहा कि एचयूएल के पोर्टफोलियो में भरोसेमंद ब्रांड हैं और हमारी टीम काफी सक्षम है, जो इस चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर सकती है।

डब्ल्यूसीएल का 2026-27 तक 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्यः गडकरी

नई दिल्लीः

कोल इंडिया की इकाई वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (डब्ल्यूसीएल) ने 2026-27 तक 10 करोड़ टन कोयला उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को यह जानकारी दी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए डब्ल्यूसीएल की तीन खानों का उद्घाटन करते हुए गडकरी ने कहा कि कंपनी की योजना अगले चार साल में 20 और खानों का विकास करने की है।

इस मौके पर गडकरी ने कंपनी से कहा कि वह अपनी परियोजनाओं में स्थानीय लोगों को अधिक रोजगार दे। मंत्री ने कहा, ''डब्ल्यूसीएल का पूंजीगत निवेश 5,300 करोड़ रुपए रहेगा। मैं कंपनी से आग्रह करूंगा कि वह स्थानीय लोगों को रोजगार देने का प्रयास करे, बेशक इसके लिए नियमों में कुछ ढील देने की जरूरत क्यों न हो।'' उन्होंने कंपनी से कहा कि वह गरीबों को मकान बनाने के लिए रेत सस्ती दर पर उपलब्ध कराए। गडकरी ने बताया कि कंपनी पहले ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) तथा अन्य सरकारी एजेंसियों को रेत सस्ती कीमत पर उपलब्ध करा रही है। गडकरी ने कहा कि रेत की नीलामी के लिए पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसा नहीं होने पर इसकी कालाबाजारी होती है और बाद में कानूनी विवाद शुरू हो जाता है। गडकरी ने कहा कि डब्ल्यूसीएल द्वारा एनएचएआई, पीएम आवास योजना और सरकारी इकाइयों को सस्ती कीमत पर रेल उपलब्ध कराई जा रही है। उसे गरीबों को भी मकान बनाने के लिए इसे सस्ती दर पर उपलब्ध कराना चाहिए।

वेदांता को चौथी तिमाही में 12,521 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा

नयी दिल्ली. विविध प्राकृतिक संसाधन क्षेत्रों में कारोबार करने वाली वेदांता को बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में 12,521 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। तेल एवं गैस, तांबा तथा लौह अयस्क कारोबार की संपत्तियों का मूल्य घटने से कंपनी को तिमाही के दौरान 17,132 करोड़ रुपये का अनुमान से अधिक नुकसान हुआ। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 2,615 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत आय घटकर 20,382 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 25,096 करोड़ रुपये रही थी। वेदांता के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील दुग्गल ने बयान मे कहा, ''कोविड-19 महामारी ने दुनिया और हमें पिछले साल की तीसरी तिमाही में प्रभावित किया है। इस कठिन समय में महत्तम परिचालन सुनिश्चित करते हुए हमने अपनी संपत्तियों और लोगों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया है।'' उन्होंने कहा कि चौथी तिमाही में तेल एवं गैस, तांबा तथा लौह अयस्क कारोबार में संपत्तियों का मूल्य घटने से हमें 17,132 करोड़ रुपये का आकस्मिक नुकसान हुआ है। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में आकस्मिक नुकसान 17,386 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने कहा कि चौथी तिमाही में उसका राजस्व पिछली तिमाही की तुलना में आठ प्रतिशत घटकर 19,513 करोड़ रुपये पर आ गया। इसकी मुख्य वजह जिंसों के कम दाम और कोविड-19 का प्रभाव है। कंपनी ने कहा कि चौथी तिमाही में उसका ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन पूर्व आय सालाना आधार पर 23 प्रतिशत घट गई। इसके अलावा तिमाही के दौरान कंपनी की वित्त लागत 1,064 करोड़ रुपये रही। जो पिछली तिमाही की तुलना में 14 प्रतिशत तथा सालाना आधार पर 24 प्रतिशत कम है। 31 मार्च, 2020 को कंपनी का सकल ऋण 59,187 करोड़ रुपये था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी कमाती है तो पति से गुजाराभत्ता की हकदार नहीं, कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। पत्नी की गुजाराभत्ता याचिका पर अदालत ने एक अहम फैसला दिया है। अदालत ने कहा है कि अगर पत्नी कमाने योग्य है तो वह पति से गुजाराभत्ता मांगने की हकदार नहीं है। रोहिणी स्थिति अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए पांडे की अदालत ने अपने फैसले का विस्तृत से व्याख्या करते हुए कहा है कि यदि पत्नी/महिला उच्च शिक्षित है और शारीरिक तौर पर स्वस्थ है तो भी उसे कमाकर खाना चाहिए। जानबूझकर अपनी योग्यता को दबाना कानूनी व नैतिक दोनों तरीकों से गलत होता है।

अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए पति से गुजाराभत्ते की मांग कर रही महिला की याचिका को नामंजूर कर दिया। अदालत ने इस महिला को सलाह दी कि वह सिर्फ मुकदमे में मुश्किलें डालने के लिए नौकरी ना छोड़े। अदालत ने कहा कि उसके पूर्व के रिकार्ड बताते हैं कि वह पिछले एक दशक से ज्यादा समय से नौकरी कर रही थी। लेकिन पति से विवाद होने पर उसने नौकरी छोड़ दी और अब वह पति से 50 हजार रुपये महीने का गुजाराभत्ते की मांग कर रही है। इस मामले में पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा है। दोनों तीन साल से अलग रह रहें हैं। इनकी पांच साल पहले शादी हुई थी। शादी के समय भी पत्नी नौकरी करती थी। दोनों को कोई संतान नहीं है। अदालत ने महिला की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि अब उन्हें दूसरे मामलों के निपटारे पर ध्यान देना चाहिए। बेवजह इल्जाम लगाना या जबरदस्ती के मुकदमेबाजी से दोनों का भविष्य प्रभावित होगा। इस मामले में महिला की कमाई के बाबत उसके पति ने आयकर रिकॉर्ड अदालत के समक्ष पेश किया। इस आयकर रिकार्ड के मुताबिक महिला पिछले एक दशक से ज्यादा समय से नौकरी कर रही थी और आयकर का भुगतान भी करती थी। यहां तक की पति द्वारा पेश आयकर रिकॉर्ड से पता चला कि महिला की आय अपने पति की मासिक आय से अधिक थी।

राजनीतिक आकाओं के दम पर कोरोना के इलाज से इनकार नहीं कर सकते प्राइवेट अस्पताल-केजरीवाल

अस्पताल अपने राजनीतिक आकाओं के दम पर कोरोना के मरीजों का इलाज करने से बचना चाह रहे हैं। मैं सभी से साफ कहना चाहता हूं कि ऐसे किसी भी अस्पताल को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा।

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कोरोना के इलाज में आनाकानी कर रहे प्राइवेट अस्पतालों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर बने सभी अस्पतालों को कोरोना के मरीजों का इलाज करना ही होगा, इससे इनकार करने वाले अस्पतालों के खिलाफ सरकार सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि इस संकट काल में भी कुछ हॉस्पिटल बेड्स की ब्लैक मार्केटिंग कर रहे हैं। मैं उनको चेतावनी देना चाहता हूं ऐसे हॉस्पिटल को कतई बख्शा नहीं जाएगा। अस्पताल इलाज करवाने के लिए बनवाए गए हैं, पैसे कमाने के लिए नहीं।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने जारी एक बुलेटिन के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 708 और कुल मामले बढ़कर 26,334 हो गए हैं। हेल्थ बुलेटिन में कहा गया कि कुल 58 मौतें होने की जानकारी चार जून को आई जो कि चार मई और तीन जून के बीच हुई थीं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन अस्पतालों के मालिकों की सभी बड़ी पार्टियों में अच्छी पहुंच है, इसलिए ये अस्पताल अपने राजनीतिक आकाओं के दम पर कोरोना के मरीजों का इलाज करने से बचना चाह रहे हैं। मैं सभी से साफ कहना चाहता हूं कि ऐसे किसी भी अस्पताल को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली कोरोना ऐप पर बेड उपलब्ध होने की सूचना देने के बावजूद कुछ अस्पताल मरीजों को बेड देने से इनकार कर रहे हैं। वहीं कुछ अस्पताल ऐसे भी हैं जो लाखों रुपयों में कोरोना के इलाज के लिए आरक्षित इन बेडों को बेच रहे हैं। उन्होंबिने कहा कि अस्पतालों की इस धांधली को रोकने के लिए सरकार ने इन अस्पतालों के एडमिशन काउंटर पर दिल्ली सरकार के एक प्रतिनिधि को बैठाने फैसला लिया है।

दिल्ली में कोविड-19 कुल मामले 26 हजार के पार

दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना वायरस के 1,330 नए मामले सामने आने के बाद यहां कुल मामले बढ़कर 26,000 के पार हो गए। वहीं, मृतकों की संख्या बढ़कर 708 हो गई। अब तक के सर्वाधिक 1513 मामले तीन जून को सामने आए थे।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को जारी एक बुलेटिन के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 708 और कुल मामले बढ़कर 26,334 हो गए हैं। हेल्थ बुलेटिन में कहा गया कि कुल 58 मौतें होने की जानकारी चार जून को आई जो कि चार मई और तीन जून के बीच हुई थीं। इनमें से 25 मौतें तीन जून को हुईं। गुरुवार को कुल मामले 25,004 थे जिसमें 650 मौतें भी शामिल थीं। 1330 नए मामलों के साथ दिल्ली में कोरोना वायरस के कुल मामले बढ़कर 26,334 हो गए।

21 जुलाई से 3 अगस्त तक चलेगी यात्रा, कोरोना टेस्ट जरूरी, आरती का होगा लाइव टेलिकास्ट

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर में इस साल की अमरनाथ यात्रा 21 जुलाई से शुरू होकर 3 अगस्त को तक चलेगी। यह 15 दिनों की अवधि की होगी। यह बात श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कही, जो जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में समुद्र तल से 3,880 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर में यात्रा के मामलों का प्रबंधन करता है। यात्रा के लिए 'प्रथम पूजा' आयोजित की गई थी। कोरोनावायरस महामारी के कारण इस बार यात्रा की अवधि में कटौती की गई है। साधुओं को छोड़कर अन्य तीर्थयात्रियों में 55 वर्ष से कम उम्र के लोगों को ही अनुमति दी जाएगी। यात्रा करने वाले सभी लोगों के पास कोविड निगेटिव प्रमाणपत्र होने चाहिए। एसएएसबी के एक अधिकारी ने कहा, 'तीर्थयात्रियों को जम्मू-कश्मीर में यात्रा शुरू करने की अनुमति देने से पहले उनको वायरस के लिए क्रॉस-चेक किया जाएगा।' साधुओं को छोड़कर सभी तीर्थयात्रियों को यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। यह भी तय किया गया है कि 15 दिनों के दौरान सुबह और शाम गुफा मंदिर में की जाने वाली 'आरती' का देश भर के भक्तों के लिए सीधा प्रसारण किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय मजदूरों की अनुपलब्धता और बेस कैंप से गुफा मंदिर तक ट्रैक बनाए रखने में कठिनाइयों के कारण, यात्रा 2020 के लिए गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप से गुफा तक पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जाएगा। यात्रा 2020 केवल उत्तरी कश्मीर बालटाल मार्ग से होकर निकलेगी। अधिकारियों ने कहा, इस वर्ष किसी भी तीर्थयात्री को पहलगाम मार्ग के माध्यम से यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यात्रा 2020 का समापन 3 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा पर होगा जिस दिन रक्षा बंधन का त्योहार होता है।

एक करोड़ रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा देने की योजना बना रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार एक करोड़ से अधिक साइकिल रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा देने की योजना बना रही है। इसके लिए सस्ती ब्याज दर पर गरीबों को कर्ज मुहैया कराया जाएगा। इसके अलावा ई-रिक्शा का मालिकाना हक देने के लिए सरकार नियमों में बदलाव करने जा रही है। सरकार के इस फैसले से मेट्रो, बस अड्डे, रेलवे स्टेशन आदि के लिए लोगों को सस्ती यात्रा मिल सकेगी। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने साढ़े तीन साल पहले साइकिल रिक्शा चालकों के लिए ई-रिक्शा योजना पर शुरू की थी।

मंत्रालय को मिले फीडबैक के अनुसार जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र (नागपुर को छोड़कर), ओडिशा, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा में पिछले वर्षों में ई-रिक्शा का पंजीकरण नगण्य रहा है। दिल्ली में 1,50,000, बंगाल में सवा लाख व असम में लाखों की संख्या में अवैध ई-रिक्शा सड़कों पर दौड़ रहे हैं। सरकार ई-रिक्शा योजना पर माफिया के कब्जे को हटाने के लिए गरीबों को 4 प्रतिशत सस्ती ब्याज दर से कर्ज मुहैया कराने जा रही है।

केंद्र सरकार जल्द नियम बनाएगी

सरकार कर्ज संबंधी नियम जल्द बनाएगी जिससे गरीबों को एक से डेढ़ लाख कीमत का ई-रिक्शा मुहैया कराया जा सके। सड़क परिवहन व

राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि देशभर में एक करोड़ गरीबों को ई-रिक्शा दिलाने के लिए कर्ज दिया जाएगा। सरकार की कोशिश है कि जो ई-रिक्शा चलाएगा, वही उसका मालिक होगा, यानि जिसके नाम लाइसेंस होगा, ई-रिक्शा चलाने का हक उसे ही होगा। इसके लिए भी नए नियम बनाए जाएंगे।

अब किसान अपनी पसंद के बाजार में बेच सकेंगे कृषि उत्पाद

मोदी सरकार ने जारी किए दो अध्यादेश

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने कृषि सुधार से जुड़े दो अध्यादेश जारी कर दिए। यह अध्यादेश किसानों को मुक्त व्यापार में मदद करने और उनकी उपज का बेहतर दाम दिलाने से जुड़े हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 'कृषि और संबद्ध गतिविधियों में लगे किसानों और ग्रामीण भारत को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के लिए भारत के राष्ट्रपति ने इन अध्यादेशों को अपनी मंजूरी दे दी है। सरकार ने 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन एवं सुविधा) अध्यादेश 2020 को अधिसूचित किया। इसका लक्ष्य किसानों को राज्य के भीतर और अन्य राज्यों में अपनी पसंद के बाजार में कृषि उपज को बेचने की छूट देना है।

पहले से तय कीमतों पर समझौते की छूट-वहीं, एक अन्य अध्यादेश मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर किसान

(सशक्तिकरण और सुरक्षा) समझौता अध्यादेश-2020 किसानों को प्रसंस्करण इकाइयों, थोक व्यापारियों, बड़ी खुदरा कंपनियों और निर्यातकों के साथ पहले से तय कीमतों पर समझौते की छूट देगा। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर इन सुधारों को सफल तरीके से लागू करने में सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने नये सुधारों के परिवेश में कृषि क्षेत्र के विकास और वृद्धि में उनके लगातार समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्र सरकार ने जोर देकर कहा कि किसानों को बेहतर दाम वाले अपनी पसंद के बाजार में उपज बेचने का विकल्प देने से संभावित खरीदारों की संख्या भी बढ़ेगी। कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन एवं सुविधा) अध्यादेश 2020 के अनुसार कोई भी किसान या व्यापारी या इलेक्ट्रॉनिक व्यापार एवं लेनदेन मंच के पास कृषक उपज को व्यापार क्षेत्र के दायरे में राज्य के भीतर या दूसरे राज्यों में बेचने का विकल्प मौजूद होगा। कृषि उपज संगठनों (एफपीओ) या कृषि सहकारी संस्थाओं को छोड़कर अन्य कोई भी व्यापारी किसी भी सूचीबद्ध कृषि उत्पाद में पैन संख्या या अन्य तय दस्तावेज के बिना व्यापार नहीं कर सकेगा।

अधिकतम तीन कार्यदिवसों के भीतर भुगतान करना जरूरी -किसान के साथा व्यापार करने वाले व्यापारी को किसान को उसी दिन या अधिकतम तीन कार्यदिवसों के भीतर भुगतान करना होगा।

देश में सितंबर मध्य तक खत्म हो सकती है कोरोना वायरस की महामारी, रिसर्च में दावा

नई दिल्ली। कोरोना की महामारी देश में कब तक खत्म होगी, यह सवाल आज हर व्यक्ति के मन में है। सरकार कोई दावा नहीं कर रही है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय के दो वरिष्ठ विशेषज्ञों डा. अनिल कुमार और डा. रुपाली राय ने एक शोध में दावा किया है कि सितंबर के मध्य तक महामारी खत्म हो सकती है। बता दें कि डा. अनिल कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप महानिदेशक हैं और डा. रूपाली राय सहायक महानिदेशक हैं। यह शोध एपिडेमीलॉजी इंटरनेशनल जर्नल के ताजा अंक में प्रकाशित हुआ है। शोध में महामारी के खत्म होने को लेकर गणितीय आकलन मशहूर बैली मॉडल के आधार पर किया गया है।

महाराष्ट्र में कोरोना से एक दिन में रिकॉर्ड 139 मौतें, मरीजों की कुल तादाद 80 हजार के पार

बैली मॉडल के अनुसार कोई महामारी तब खत्म होती है जब उससे संक्रमित लोगों की संख्या के बराबर लोग ही उसे बीमारी से अलग हो जाएं।अलग हो जाने से तात्पर्य या तो वे स्वस्थ हो गए हों या बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो जाए। इस मॉडल में महामारी के आकलन के लिए बैली मॉडल रिलेटिव रिमूवल रेट (बीएमआरआरआर) निकाला जाता है, जो स्वस्थ हुए और मर चुके लोगों की संख्या के आधार पर तय होता है। शोध में 19 मई तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है तब तक देश में 106475 संक्रमण हुए थे जिनमें से 42306 स्वस्थ हो गए थे तथा 3302 की मौत हो गई थी। तब बीएमआरआरआर रेट 42 फीसदी था। लेकिन महामारी खत्म तभी होती है जब यह सौ फीसदी के करीब पहुंचता है। शोध के मुख्य लेखक डा. अनिल कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप महानिदेशक हैं तथा पब्लिक हैल्थ एक्टपर्ट भी हैं। वे कहते हैं कि अभी बीएमआरआरआर 50 फीसदी तक पहुंच चुका है।

कोविड से निपटने में महत्त्वपूर्ण हो सकती है 'आयुष्मान भारत' योजना-WHO

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आयुष्मान भारत योजना की तारीफ करते हुये कहा है कि इसके क्रियान्वयन में तेजी लाकर देश कोविड-19 से बेहतर तरीके से निपट सकता है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. तेद्रोस गेब्रियेसस ने कोविड-19 पर नियमित प्रेस वार्ता में शुक्रवार को कहा, ÷निस्संदेह कोविड बहुत दुभार्ग्यपूर्ण है और कई राष्ट्रों के समक्ष गंभीर चुनौती है, लेकिन हमें इसमें अवसर भी तलाशने होंगे। भारत के लिए यह आयुष्मान भारत को गति देने का अवसर साबित हो सकता है, खासकर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर फोकस करते हुये। मोदी सरकार की महत्त्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के तहत सरकार ने 10 करोड़ गरीब परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। साथ ही इसमें जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी ढाँचों को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

तेद्रोस ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं और जन भागीदारी के जरिये हम महामारी की लहर का रुख मोड़ सकते हैं। भारत ने जो योजना शुरू की है उसका भरपूर इस्तेमाल करने और उसके क्रियान्वयन को गति देने से उसे लाभ हो सकता है। सरकार आयुष्मान भारत को तेजी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ आयुष्मान भारत की तारीफ करता रहा है और यह इस योजना को कसौटी पर कसने तथा गति देने के लिए अच्छा अवसर हो सकता है। इस महामारी से लड़ने में इसका पूरा इस्तेमाल किया जाना चाहिये। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में भारत अब इटली को पीछे छोड़ते हुए छठे स्थान पर पहुंच चुका है। यहां कुल मरीजों की संख्या दो लाख तीस हजार से अधिक है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार (5 जून) रात करीब 10 बजकर 03 मिनट (भारतीय समयानुसार) तक भारत में कोरोना के कुल संक्रमितों की तादाद 2,35,540 पहुंच गई है, जबकि इस बीमारी की वजह से देश में अब तक कुल 6637 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। वहीं कुल 1,12,757 मरीज इस बीमारी से स्वस्थ होकर अस्पताल से घर लौट चुके हैं।

डराने लगा कोरोना, कई राज्यों में एक मई से 10 गुना बढ़े मामले

नई दिल्ली। देशभर में कोविड-19 से संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 2.28 लाख हो गई, जबकि मरने वालों का आंकड़ा 6500 से अधिक हो गया. एक मई के बाद विशेष ट्रेनों से प्रवासियों के बड़े शहरी क्षेत्रों से ग्रामीण इलाकों में जाने के कारण ऐसे राज्यों की संख्या दोगुनी हो गयी है, जहां कोरोना वायरस मामलों की संख्या एक हजार से अधिक है, जबकि कुछ ऐसे राज्य भी हैं जहां यह आंकड़ा दस गुना या उससे अधिक बढ़ा है। इस संख्या में इजाफे का कारण सात मई से शुरू हुई वे अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी हैं, जिनमें विभिन्न देशों में फंसे प्रवासी भारतीयों को उनके गृह राज्य पहुंचाया गया। देश में 25 मई से घरेलू उड़ानों का परिचालन भी क्रमबद्ध रूप से शुरू किया गया. वर्तमान में लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का पहला सप्ताह चल रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तत्कालीन आंकड़ों के अनुसार, एक मई को सुबह आठ बजे तक देश में कोविड-19 के 35 हजार मामले थे और मृतक संख्या 1150 से कम थी। मंत्रालय के आज सुबह के आंकड़ों के अनुसार, देश में इस संक्रमण के पुष्ट मामलों की संख्या दो लाख 26 हजार 770 है और मृतक संख्या बढ़कर 6348 हो गयी है. एक मई से यदि तुलना की जाए तो मामलों की संख्या में छह गुना और मृतक संख्या में पांच गुना की वृद्धि हुई है। विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा घोषित आंकड़ों के अनुसार पुष्ट मामलों की संख्या दो लाख 28 हजार 38 है जबकि मृतक संख्या 6557 है. इस बीच संक्रमण से उबर चुके लोगों की संख्या एक लाख 12 हजार हो गई है. इस हिसाब से देखें तो देश में अभी तक एक लाख 10 हजार संक्रमित व्यक्ति उपचाररत हैं. पिछले कई दिनों से मामलों की संख्या में आठ हजार या उससे अधिक की दर से वृद्धि हो रही है. ऐसे राज्य, जहां संक्रमित मामलों की संख्या एक हजार या उससे अधिक है, इनकी संख्या 19 हो गयी है जो एक मई तक केवल 9 थी. ऐसे राज्य, जिनमें ऐसे मामलों की संख्या दस हजार थी, इनकी संख्या एक मई को केवल एक (महाराष्ट्र) थी जो अब बढ़कर तीन हो गई है. दो अन्य राज्य दिल्ली एवं गुजरात हैं। जिन राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में ऐसे मामलों की संख्या अब एक हजार या इससे अधिक है, उनमें असम, बिहार, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, केरल, ओड़िशा, पंजाब, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल हैं. झारखंड और छत्तीसगढ़ में ऐसे मामलों की संख्या 800 या इससे अधिक है। एक मई को जिन राज्यों में एक हजार से अधिक मामले थे, उनमें आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश शामिल थे। इस बीच महाराष्ट्र में मामलों की संख्या 11 हजार से बढ़कर 80 हजार से अधिक, दिल्ली की 3700 से बढ़कर 26 हजार से अधिक और गुजरात की 4700 से बढ़कर 19 हजार से अधिक हो गयी है। महाराष्ट्र में कोरोना के 2,436 नए मामले सामने आने के बाद कुल मामलों की संख्या बढ़कर 80,229 हो गई. इसके अलावा राज्य में कोरोना वायरस से 139 और लोगों की मौत के साथ ही इस महामारी से राज्य में मरने वालों की संख्या 2,849 हो गई है.

अनलॉक 1 पांबदियों का हटना शुरू

केन्द्र एवं राज्य सरकार, फिलहाल उन दिशानिर्देशों को बनाने की प्रक्रिया में लगी हैं ताकि 25 मार्च से शुरू हुए लॉकडाउन में लगाये गये प्रतिबंधों को चरणबद्ध ढंग से हटाया जा सके.

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि धार्मिक स्थलों, शापिंग मॉल, रेस्त्रां, होटल एवं कार्यालयों के लिए जो मानक परिचालन प्रक्रिया बनायी गयी है उनका उद्देश कोविड-19 प्रसार की श्रृंखला पर लगाम लगाने के लिए लोगों के लिए उचित बर्तावों का सुझाव देना है. इसी के साथ साथ सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों की बहाली करना भी इसका उद्देश्य है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने धार्मिक स्थलों, शापिंग मॉल, रेस्त्रां, होटल एवं कार्यालयों के लिए गुरुवार को मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की थी. इनमें से कई क्षेत्र पहले से ही खुल चुके हैं जबकि कुछ सोमवार को खोले जाने हैं। राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में संक्रमण के मामले शुक्रवार को बढ़ने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक निदेशक समेत पांच कर्मी पिछले सात दिन में संक्रमित पाए गए हैं. इसी के मद्देनजर व्यापक अभियान चलाकर छह-सात जून को मंत्रालय कार्यालय परिसर को संक्रमणमुक्त किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

हथिनी की हत्या के मामले में पुलिस कर रही आरोपी विल्सन के मालिकों की तलाश

पलक्कड़. केरल के पलक्कड़ में गर्भवती हथिनी की हत्या के मामले में पुलिस ने विल्सन नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया था. अब जांच टीम विल्सन के मालिकों की तलाश कर रही है. विल्सन के मालिक अभी फरार हैं. केरल पुलिस विल्सन के मालिक और उसके बेटे की तलाश में है.

बता दें कि इस मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा था कि घटना में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. पलक्कड़ में एक गर्भवती हथिनी को पटाखों से भरा अनानास खिला दिया गया था, जिसके बाद तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई. इस मामले में पुलिस संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही है.

जयपुर: किराया माफ़ी संघर्ष समिति ने छरूको सौंपा ज्ञापन, की यह मांग

जयपुर. पूरे प्रदेश में इस समय हर बेरोजगार एक ही मांग कर रहा है कि उनका मकान का किराया माफ किया जाए और इसको लेकर कई बार सोशल मीडिया का भी सहारा लिया गया.

वहीं, शुक्रवार को पूरे प्रदेश में सभी जिला कलेक्टर को किराया माफ़ी संघर्ष समिति की ओर से ज्ञापन सौंपा गए. राजधानी जयपुर में संघर्ष समिति के संयोजक और राजस्थान यूनिवर्सिटी छात्र संघ के पूर्व महासचिव नरसी किराड़ की ओर से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया.

नरसी किराड़ ने कहा कि लॉकडाउन की वजह से बेरोजगार किराया भुगतान करने की स्थिति में नहीं है. ऐसे में सरकार को चाहिए कि बेरोजगार विद्यार्थियों का किराया माफ किया जाए. इसके साथ ही बेरोजगार विद्यार्थियों को मिलने वाला बेरोजगारी भत्ता भी सरकार तुरंत जारी करें, जिससे विद्यार्थियों को कोई परेशानी न हो.

CBI के बाद अब ED कोरोना की चपेट में, तबलीगी जमात की जांच के चलते भी बढ़े केस

नई दिल्ली. दिल्ली के पॉश इलाके खान मार्किट में स्थित लोकनायक भवन में भी अब तेजी से कोरोना से संक्रमित मामले सामने आ रहे हैं. लोकनायक भवन में इनकम टैक्स और प्रवर्तन निदेशालय समेत कई सरकारी दफ्तर हैं. पिछले कुछ दिनों में इनकम टैक्स और श्वष्ठ में कई अधिकारियों को कोरोना होने की पुष्टि हुई है. आयकर विभाग का सेटलमेंट का दफ्तर लोक नायक भवन के 9 वें फ्लोर पर स्थित है.

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी के इंटेलिजेंस विभाग में भी कई लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं. ED मुख्यालय में ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यरत 6 अधिकारी हो संक्रमित चुके हैं जिनके संपर्क में करीब दो दर्जन लोग आ चुके थे. ईडी ने अब उन तमाम लोगों के टेस्ट करवाने के आदेश जारी कर दिए हैं.ईडी के इंटेलिजेंस ब्रांच के एक अधिकारी के संक्रमण की चपेट में आने के बाद उनकी पत्नी भी कोरोना संक्रमित हो चुकी हैं. एहतियातन ईडी अब कोरोना से बचने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है.दरअसल, ईडी तबलीगी जमात के मरकज मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है, जिसके लिए वो लगातार मरकज से जुड़े हुए जामतियों को पूछताछ के लिए अपने दफ्तर में बुला रही थी.

नोएडा: सुबह से शाम तक गर्भवती को लेकर घूमते रहे परिजन, अस्पतालों की लापरवाही से मौत

➤कोरोना वायरस से लड़ने के लिए पूरा देश प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर देख रहा है. इसी बीच नोएडा से एक ऐसा मामला आया है, जो स्वास्थ्य विभाग से विश्वास ही उठा देने वाला है. यहां 8 महीने की प्रेगनेंट महिला को उसके परिजन सुबह से शाम तक लेकर घूमते रहे लेकिन उसे हॉस्पिटल नसीब नहीं हुआ.

नोएडा. कोरोना वायरस से लड़ने के लिए पूरा देश प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर देख रहा है. इसी बीच नोएडा से एक ऐसा मामला आया है, जो स्वास्थ्य विभाग से विश्वास ही उठा देने वाला है. यहां 8 महीने की प्रेगनेंट महिला को उसके परिजन सुबह से शाम तक लेकर घूमते रहे लेकिन उसे हॉस्पिटल नसीब नहीं हुआ. आखिरकार महिला ने एंबुलेंस में ही दम तोड़ दिया. सुबह से शाम तक धक्के खाते रहे परिजन गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में रहने वाले एक परिवार के साथ ये दर्दनाक घटना घटी है. परिवार में 8 महीने की गर्भवती महिला की तबियत जब अचानक बिगड़ी तो परिजन उसे लेकर अस्पताल में भर्ती कराने के लिए निकले. परिवार वाले बीमार महिला को लेकर सुबह ही एंबुलेंस से निकले, लेकिन उन्हें कोई अस्पताल भर्ती करने को तैयार नहीं था. परिवार को अस्पताल दर अस्पताल जिरह करते हुए सुबह से शाम का वक्त बीत गया. इसी बीच बीमार महिला की तबियत और बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई.

6 अस्पतालों ने किया भर्ती करने से इनकार मृतक महिला के परिजनों का कहना है कि वे महिला को नोएडा के करीब 6 अस्पतालों में ले गए, लेकिन किसी ने भी उनकी हालत देखकर भी भर्ती नहीं किया. महिला की तबियत बिगड़ती रही और अंत में उन्होंने दम तोड़ दिया. वे 8 महीने की गर्भवती थीं. हादसे में पेट में पल रहे बच्चे की भी मौत हो गई.

देहरादून में आज बंद रहेंगे बाजार, इन दिन में सड़कों पर होगा ये काम

राजधानी में बढ़ते हुए कोरोना केसेज को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र के बाजारों को शनिवार और रविवार के लिए बंद किया गया है. आज इस आदेश के बाद पहला शनिवार है और जिले के बाजार बंद नजर आए. देहरादून नगर निगम क्षेत्र के बाजारा कल भी बंद रहेंगे.

देहरादून: राजधानी में बढ़ते हुए कोरोना केसेज को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र के बाजारों को शनिवार और रविवार के लिए बंद किया गया है. आज इस आदेश के बाद पहला शनिवार है और जिले के बाजार बंद नजर आए. देहरादून नगर निगम क्षेत्र के बाजारा कल भी बंद रहेंगे. इसके अलावा बंदी के दौरान वाहनों का भी संचालन नहीं होगा. सिर्फ आवश्यक सेवा से जुड़ी दुकानें, मेडिकल स्टोर और वाहन के संचालन की इजाजत दी गई है.

बंदी के दौरान होगा सेनिटाइजेशन

2 दिनों तक देहरादून नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बाजार बंद रहेंगे और इस दौरान सभी वार्डों में सैनिटाइजेशन का काम किया जाएगा. देहरादून जिले में कुल 100 वार्ड है और शनिवार को 50 वार्डों में सेनिटाइजेशन का काम करवाया जा रहा है, बाकी के 50 वार्डों में रविवार को सेनिटाइजेशन होगा. देहरादून नगर निगम में टैंकरों में सेनिटाइजर भरा जा रहा है , और उसके बाद इन टैंकरों को अलग अलग वार्ड के लिए भेजकर उन्हें सेनिटाइज किया जाएगा.

राजस्थान में 10 हजार पार हुआ कोरोना मरीजों का आंकड़ा, अब तक 219 की मौत

जयपुर. प्रदेश में शनिवार सुबह 10.30 बजे तक 44 नए कोरोना (Coronavirus) पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं, जिसके बाद प्रदेश में अब कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 10,128 हो चुकी है. वहीं, अब तक प्रदेश में कुल मौत का आंकड़ा 219 पहुंच चुका है.

चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, एक्टिव केस की संख्या 2525 हो गई है. कुल 7384 रिकवर्ड केस हैं. प्रवासी पॉजिटिव मरीजों की संख्या 2924 हो गई है.

राजस्थान में 6 जून शनिवार सुबह बारां से 1, भीलवाड़ा से 1, बीकानेर से 1, चित्तौड़गढ़ से 1, चूरू से 10, दौसा से 1, धौलपुर से 1, जोधपुर से 1, जयपुर से 9, कोटा से 3, पाली से 14 और अन्य राज्य से 1 नया कोरोना केस सामने आया.

वहीं, बीएसएफ के 50 जवान भी पॉजिटिव पाए गए हैं. इसके अलावा ईरान से लाए गए भारतीयों में से 61 लोग, इटली से 2 लोग और अन्य राज्यों के 14 मरीज अभी तक प्रदेश में पॉजिटिव पाए गए हैं.

8 जून से खुलेगा पटना का हनुमान मंदिर, लेकिन जाने से पहले जान लें जरूरी नियम

बिहार की राजधानी पटना का प्रसिद्ध को आम लोगों के दर्शन के लिए 8 जून से खोला जाएगा. महावीर मंदिर के प्रबंधन ने दर्शन की तैयारी पूरी तरह कर ली है.

पटना. बिहार की राजधानी पटना का प्रसिद्ध को आम लोगों के दर्शन के लिए 8 जून से खोला जाएगा. महावीर मंदिर के प्रबंधन ने दर्शन की तैयारी पूरी तरह कर ली है. लेकिन साथ ही मंदिर ने इसके लिए विशेष दिशा निर्देश जारी किए हैं जिनका पालन करना आवश्यक होगा.

महावीर मंदिर में मंगल और शनिवार को ऑनलाइन सूचना से दर्शन का समय मिलेगा. इसके अलावा नाम के पहले अक्षर से सप्ताह के शेष पांच दिन लोग दर्शन कर सकेंगे.

इस नए नियम के तहत, से श्व अल्फाबेट के लोग रविवार को, स्न से छ्व तक के लोग सोमवार को, बुधवार को च से ह्र तक के नाम वाले, गुरुवार को P से ञ्ज तक और शुक्रवार को से तक के नाम वाले लोग महावीर मंदिर में आके भगवान के दर्शन कर सकेंगे.

साथ ही मंदिर में एंट्री के बाद सोशल डिस्टेन्सिंग का पूरा ख्याल रखना होगा. मास्क पहनना और सेनेटाइजर लगाना भी अनिवार्य होगा. आपको बता दें कि कोरोना के कहर के बीच लॉकडाउन में सभी धार्मिक स्थलों को भी बंद कर दिया गया था लेकिन अब केंद्र सरकार ने अनलॉक-1 में 8 जून से धार्मिक स्थलों को गाइडलाइन के साथ खोलने की इजाजत दी है.

बेनामी संपत्ति पर कार्रवाई के लिए शिवराज सरकार का प्लान, जमीनों का होगा सर्वे

मध्य प्रदेश सरकार बेनामी संपत्ति पर कार्रवाई करने के लिए भू सर्वेक्षण-भू अभिलेख नियम 2020 को लागू करने की तैयारी में है. शिवराज सरकार अब हर शहर और हर गांव में जमीनों का सर्वे कराने जा रही है.

भोपाल. मध्य प्रदेश सरकार बेनामी संपत्ति पर कार्रवाई करने के लिए भू सर्वेक्षण-भू अभिलेख नियम 2020 को लागू करने की तैयारी में है. शिवराज सरकार अब हर शहर और हर गांव में जमीनों का सर्वे कराने जा रही है. इस सर्वे के जरिए बेनामी संपत्ति और सरकारी जमीन दबाने वाले लोगों का खुलासा होगा.

डिजिटल नक्शे बनाए जाएंगे

लैंड रिकॉर्ड कमिश्नर तय करेंगे कि किस जिले से जमीनों के सर्वे की शुरुआत होगी. सैटेलाइट इमेजरी सिस्टम सहित आधुनिक तकनीक से सर्वे कराया जाएगा. जिसके बाद डिजिटल नक्शे बनाए जाएंगे.

भू-स्वामी की सूची पंचायत में होगी जमा

आपको बता दें कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर महानगरों से सटे तहसीलों में कई नेताओं और अफसरों ने अपने रिश्तेदारों और नौकरों के नाम पर जमीन ले रखी है. इसीलिए हर जमीन का नक्शा और भूमि स्वामी के नाम की सूची पंचायत में चस्पा की जाएगी. भू-स्वामी की सूची पंचायत में सार्वजनिक रूप से चस्पा होने के बाद अवैध कब्जे का खुलासा होगा.

25 साल बाद सरकार का रिकॉर्ड होगा दुरुस्त

त्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 9 जून 2000 को भू सर्वेक्षण और बंदोबस्त पर रोक लगाई थी. उसके बाद से प्रदेश में जमीनों का सर्वे नहीं हुआ है. सरकारी रिकॉर्ड में हजारों एकड़ जमीन में आज भी कृषि भूमि के नाम से दर्ज, जबकि मौके पर बड़ी बड़ी कॉलोनियां कटी हुई है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैज्ञानिकों का दावा- कोरोना के गंभीर और मामूली मरीजों के खून के नमूनों में दिखा अंतर

लंदन (एजेंसी):

अनुसंधानकर्ताओं ने कोरोना वायरस के मरीजों के खून में ऐसे प्रोटीनों की पहचान की है जो बीमारी की गंभीरता और तीव्रता से जुड़े हैं। यह खोज, उनकी बीमारी आगे क्या रूप लेगी, इसपर सूचना उपलब्ध कराने वाले संकेतकों की पहचान में मदद करेगी। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि कोरोनावायरस सार्स-सीओवी-2 के संक्रमण के प्रति लोग अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मरीजों में कोई लक्षण विकसित नहीं होता जबकि अन्य को गंभीर बीमारी हो सकती है और वे मर भी सकते हैं। वर्तमान अध्ययन में, अनुसंधानकर्ताओं ने 'बायोमार्कर' के लिए कोविड-19 मरीजों में प्लाज्मा कहे जाने वाले रक्त के घटक का आकलन किया जो बीमारी की गंभीरता और उसके क्रम विकास का अनुमान लगाने का भरोसेमंद तरीका उपलब्ध करा सकता है।ब्रिटेन कं फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट के मार्कस रालसर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने कोविड-19 मरीजों के खून के नमूनों के प्लाज्मा घटक में विभिन्न प्रोटीनों के स्तर का तेजी से पता लगाने के लिए अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया। इस तरीके का इस्तेमाल कर, उन्होंने कोविड-19 के मरीजों के प्लाज्मा में विभिन्न प्रोटीन बायमार्कर की पहचान की जो उनकी बीमारी की गंभीरता से जुड़े हुए थे।अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं ने 31 महिलाओं एवं पुरुषों के प्लाज्मा का आकलन किया जो गंभीरता के अलग-अलग स्तर वाले कोविड-19 के लिए इलाज करा रहे थे।उन्होंने मरीजों के खून में 27 प्रोटीन पाए जो बीमारी की गंभीरता के हिसाब से अलग-अलग मात्रा में थे। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये परिणाम जिंदगियां बचाने में मददगार होंगे।यह अध्ययन 'सेल सिस्टम्स' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

आगे क्या रूप लेगा कोरोना, अब मरीजों के खून से होगी बीमारी की पहचान

(एजेंसी)

अनुसंधानकर्ताओं ने कोविड-19 मरीजों के खून में ऐसे प्रोटीनों की पहचान की है जो बीमारी की गंभीरता और तीव्रता से जुड़े हैं। यह खोज, उनकी बीमारी आगे क्या रूप लेगी, इसपर सूचना उपलब्ध कराने वाले संकेतकों की पहचान में मदद करेगी। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि कोरोना वायरस सार्स-सीओवी-2 के संक्रमण के प्रति लोग अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मरीजों में कोई लक्षण विकसित नहीं होता जबकि अन्य को गंभीर बीमारी हो सकती है और वे मर भी सकते हैं। वर्तमान अध्ययन में, अनुसंधानकर्ताओं ने 'बायोमार्कर' के लिए कोविड-19 मरीजों में प्लाज्मा कहे जाने वाले रक्त के घटक का आकलन किया जो बीमारी की गंभीरता और उसके क्रम विकास का अनुमान लगाने का भरोसेमंद तरीका उपलब्ध करा सकता है। ब्रिटेन कं फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट के मार्कस रालसर के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने कोविड-19 मरीजों के खून के नमूनों के प्लाज्मा घटक में विभिन्न प्रोटीनों के स्तर का तेजी से पता लगाने के लिए अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया। इस तरीके का इस्तेमाल कर, उन्होंने कोविड-19 के मरीजों के प्लाज्मा में विभिन्न प्रोटीन बायमार्कर की पहचान की जो उनकी बीमारी की गंभीरता से जुड़े हुए थे। अध्ययन में, अनुसंधानकर्ताओं ने 31 महिलाओं एवं पुरुषों के प्लाज्मा का आकलन किया जो गंभीरता के अलग-अलग स्तर वाले कोविड-19 के लिए इलाज करा रहे थे। उन्होंने मरीजों के खून में 27 प्रोटीन पाए जो बीमारी की गंभीरता के हिसाब से अलग-अलग मात्रा में थे। वैज्ञानिकों के मुताबिक ये परिणाम जिंदगियां बचाने में मददगार होंगे। यह अध्ययन 'सेल सिस्टम्स' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

उत्तर कोरिया ने द. कोरिया के साथ संपर्क कार्यालय बंद करने की दी धमकी

सियोल (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने सीमा पर उसके खिलाफ पर्चे भेजने से कार्यकर्ताओं को नहीं रोक पाने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया की निंदा की और पड़ोसी देश के साथ एक संपर्क कार्यालय को स्थायी रूप से बंद करने की चेतावनी भी दी है। उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी का बयान शुक्रवार को आया। एक दिन पहले ही देश के नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन ने कहा था कि अगर सियोल कार्यकर्ताओं को नहीं रोक पाता तो उनका देश उसके साथ तनाव कम करने के लिए 2018 में हुए सैन्य समझौते को समाप्त कर देगा। उन की बहन किम यो जोंग ने भी कहा था कि उत्तर कोरिया सीमावर्ती शहर केसांग में संपर्क कार्यालय और एक संयुक्त फैक्ट्री पार्क को भी स्थायी रूप से बंद कर सकता है जो दोनों देशों के बीच सुलह का प्रतीक रहे हैं। उत्तर कोरिया के साथ कमजोर पड़ती अपनी कूटनीति को जीवंत बनाये रखने के लिए परेशान दक्षिण कोरिया ने जवाब में कहा कि वह उत्तर कोरिया की ओर गुब्बारों से पर्चे भेजने से कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए नये कानून बनाएगा। लेकिन वर्कर्स पार्टी के अंतर-कोरियाई मामलों के विभाग के एक अज्ञात प्रवक्ता ने कहा कि सियोल के वादे में गंभीरता नहीं है और उत्तर कोरिया द्वारा उठाये जाने वाले कदमों की श्रृंखला में संपर्क कार्यालय को बंद करना पहला कदम होगा जिससे दक्षिण कोरिया को बहुत नुकसान होगा। बयान में कहा गया कि जोंग के निर्देशों के तहत उत्तर कोरिया ने पहले कदम के तौर पर केसांग औद्योगिक क्षेत्र में स्थित संयुक्त संपर्क कार्यालय को निश्चित रूप से बंद करने का फैसला किया है।

अमेरिका में प्रदर्शनकारियों ने बदलाव नहीं होने तक मुहिम तेज रखने का संकल्प लिया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के खिलाफ प्रदर्शन शांतिपूर्ण होते जा रहे हैं और ऐसे में प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को लगातार आंदोलन जारी रखकर अपनी पीड़ा जाहिर करते रहने का संकल्प लिया लेकिन नस्लीय अन्याय पर से ध्यान नहीं हटने देने की भी बात कही। मिनियेपोलिस शहर में पुलिस हिरासत में फ्लॉयड की मौत हो गयी थी। शहर में इस बात पर सहमति बनी है कि पुलिस ऐसी कार्रवाई नहीं कर सकती जिससे किसी का दम घुटता हो और किसी अधिकारी द्वारा अनधिकृत बल प्रयोग की बात सामने आने पर दूसरे अधिकारी हस्तक्षेप कर सकते हैं। ये बदलाव शहर और राज्य के अधिकारियों के बीच करार का हिस्सा है जिन्होंने फ्लॉयड की मौत के मामले में नागरिक अधिकार जांच शुरू की थी। सिटी काउंसिल द्वारा समझौते को मंजूर किये जाने की संभावना है, जो अदालत में मान्य होगा। देश में करीब पांच दशक में हुए सबसे बड़े स्तर का प्रदर्शन देशभर में ग्यारहवें दिन भी जारी है। इनमें अब उग्रता के बजाय बदलाव के लिए शांतिपूर्ण मुहिम की ओर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसे सतत बनाये रखा जा रहा है। मिनियेपोलिस से लेकर उत्तर कैरोलिना तक फ्लॉयड की याद में शनिवार को श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें परिवार के सदस्य और अन्य लोग श्रद्धांजलि देंगे।

विश्वविद्यालय की छात्रा जोसिया रोएबक ने भरोसा जताया कि आंदोलन चलता रहेगा। शुक्रवार को अटलांटा उपनगर में प्रदर्शन के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके 100 लोगों को इकट्ठा करने वाली जोसिया ने कहा, ''एक बार शुरुआत होने के बाद ये रोजाना दिखेंगे। मैं चाहती हूं कि अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व ठीक तरह से किया जाए।''

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की बर्बरता का नया वीडियो- मास्क न पहनने पर पीट-पीट कर मार डाला शख्स, भड़क गई हिंसा

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका में अश्वेत अफ्रीक-अमेरिकी नागरिक की पुलिस द्वारा निर्मम हत्या का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ था कि मेक्सिको पुलिस की बर्बरता का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मेक्सिको में पुलिस ने एक व्यक्ति जिओवान्नि लोपेज को सार्वजनिक स्थल पर मास्क न पहनने पर गिरफ्तार कर इतनी बुरी तरह से पीटा कि उसकी मौत हो गई। घटना के वीडियो वायरल होने के कई घंटों बाद ही लोग सड़कों पर उतर गए और पुलिस की बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुई। घटना मेक्सिको के दूसरे सबसे बड़े शहर गुआदालाजारा की है, प्रदर्शन करने के दौरान लोगों का गुस्सा फूटा और पुलिस से हाथापाई शुरू हो गई। जिओवान्नि के भाई क्रिस्टियन लोपेज ने अपने फोन में वीडियो को रिकॉर्ड कर लिया था और वीडियो सार्वजनिक ना करने के लिए करीब साढ़े छह लाख रुपये का प्रस्ताव उसके सामने रखा। क्रिस्टियन ने बताया कि हम लोग रात का खाना खाने बाहर निकले थे और पुलिस उन लोगों पर डंडे बरसा रही थी जिन्होंने अपने चेहरे पर मास्क नहीं पहन रखा था। चार मई को गुआदालाजारा के पास डी लास मेमब्रिलोस शहर में नगरपालिका पुलिस अधिकारियों ने 30 वर्षीय ईट भट्टे वाले जिओवान्नि लोपेज को हिरासत में लिया था। लोपेज के रिश्तेदार पुलिस स्टेशन उसकी तलाश करते-करते पहुंचे लेकिन उनसे कहा गया कि उसे गुआदालाजारा के एक अस्पताल में ले जाया गया है। रिश्तेदार जब अस्पताल पहुंचे तो उन्हें वहां लोपेज का शव मिला। लोपेज के पैर में गोली लगी थी और बाद में शव परीक्षण में यह बात सामने निकलकर आई कि उसके सिर पर एक जोरदार चीज से आघात किया गया है जिसके बाद उसकी मौत हो गई है इस घटना का वीडियो बुधवार को सामने आया। इस वीडियो में पुलिस अधिकारी लोपेज के साथ मारपीट करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं, हालांकि कुछ और लोग भी उसकी रिहाई के लिए अनुरोध करते दिख रहे हैं। एक गवाह ने जब विश्वास के साथ पुलिस वालों से पूछा कि एक मास्क ना पहनने के कारण क्या किसी की जान ली जा सकती है तो जवाब में एक अधिकारी ने कहा कि वह उसका विरोध कर रहा था। हालांकि जिओवान्नि की मौत के पीछ जिम्मेदार पुलिसवालों को अभीतक उनके पद से बर्खास्त नहीं किया गया है जिस कारण यहां विरोध प्रदर्शन तेज होते जा रहे हैं।

वैज्ञानिकों की चेतावनी- गंजे पुरुषों को कोरोना वायरस का अधिक खतरा, संक्रमण से हो सकती है मौत

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर वैज्ञानिकों ने कहा है कि गंजे लोगों को कोरोना महामारी से खतरा अधिक हो सकता है और उनकी मौत की आशंका भी अधिक हो सकती है। इस मामल वैज्ञानिकों का कहरना है कि बाल झड़ने के पीछे एंड्रोजन हार्मोन जिम्मेदार होते हैं। कोरोना वायरस के कई सबसे खराब मामलों में इस हार्मोन का संबंध पाया गया है। एक न्यूज चैनल में प्रकाशित खबर के मुताबिक अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और रिसर्च के प्रमुख लेखक कार्लोस वैम्बियर ने ब्रिटिश टेलिग्राफ से कहा कि हम वास्तव में ऐसा समझते हैं कि गंजापन कोरोना के गंभीर खतरे का संकेत दे सकता है। इससे पहले कई आंकड़ों से ये पता चला था कि कोरोना से बीमार होने वाले पुरुषों की मौत की आशंका, महिलाओं के मुकाबले अधिक होती है। वैज्ञानिकों की चेतावनी- गंजे लोगों को कोरोना वायरस से गंभीर खतरागंजे लोगों में कोरोना संक्रमण को लेकर प्रोफेसर वैम्बियर कहा कि हमें लगता है कि एंड्रोजन शरीर में वायरस की एंट्री के लिए गेटवे का काम करता है। उन्होंने स्पेन में इसको लेकर दो स्टडी की। दोनों स्टडी में यह बात सामने सामने आई कि हॉस्पिटल में भर्ती होने वाले कोरोना पीड़ितों में गंजे लोगों का अनुपात अधिक है।

कोर्ट ने शाहबाज शरीफ के मानहानि मामले में पीएम इमरान को भेजा नोटिस

पेशावर (एजेंसी):

पाकिस्तान की एक अदालत ने **PML-N** अध्यक्ष शाहबाज शरीफ की ओर से दायर मानहानि मामले में प्रधानमंत्री इमरान खान को नोटिस जारी किया है। इस मामले में शरीफ ने पाकिस्तान तहीरक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख के खिलाफ उनके वाद पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया है जो पिछले तीन साल से लंबित है। प्रधानमंत्री खान ने अप्रैल 2017 में आरोप लगाया था कि शाहबाज ने 70 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री एवं उनके बड़े भाई नवाज शरीफ के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में चल रहे पनामा पेपर मामले को वापस लेने के लिए एक दोस्त के जरिए उन्हें 6.1 करोड़ डॉलर की पेशकश की थी। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (**PML-N**) के सुप्रीमो, शरीफ इलाज के लिए फिलहाल लंदन में हैं। उन्हें पनामा पेपर मामले में 2017 में उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री पद के लिए अयोग्य करार दिया था। हालांकि, खान ने उस व्यक्ति का नाम नहीं बताया जिसने नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शाहबाज की तरफ से उन्हें 6.1 करोड़ डॉलर की पेशकश की थी। लाहौर की अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत ने 10 जून को सुनवाई किए जाने संबंधी शाहबाज के आवेदन पर शुक्रवार को गौर किया जिसमें उन्होंने तर्क दिया है कि खान पिछले तीन साल से लिखित जवाब दायर करने में विफल रहे हैं जिससे मामले में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। शाहबाज के एक वकील ने अदालत से कहा, इस मामले में कुल 60 सुनवाइयों में, खान के वकील ने 33 मौकों पर स्थगन की मांग की। पिछली सुनवाई में, अदालत को बताया गया कि खान के मुख्य कानूनी सलाहकार, बाबर अवान कोविड-19 के चलते इस्लामाबाद से लाहौर नहीं आ सकते और अदालत ने सुनवाई 22 जून के लिए टाल दी।

हांगकांग मुद्दे पर चीन की ब्रिटेन को धमकी- 'दूर रहो वर्ना भुगतना पड़ेगा गंभीर परिणाम'

(एजेंसी):

हांगकांग मामले में चिढ़ा चीन अब धमकियां देने पर उतर आया है। चीन ने ब्रिटेन को चेतावनी देते हुए कहा कि ब्रिटेन इस मुद्दे से दूर रहे और उसने अगर हांगकांग के लिए अपनी पासपोर्ट नीति को वापस नहीं लिया तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। बता दें कि चीन ने हाल में ही हांगकांग के लिए नया सुरक्षा कानून पेश किया है जिसके विरोध में कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। चीन ने कहा कि ब्रिटेन को अपने औपनिवेशिक राज्य को छोड़ देना चाहिए। बता दें कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने हाल में ही कहा था कि यदि चीन ने हांगकांग पर नया कानून जबरन लादने की कोशिश की तो ब्रिटेन भी अपने आव्रजन नियमों को बदलने के लिए तैयार है। हम हांगकांग के लाखों निवासियों को ब्रिटेन की नागरिकता के लिए एक संभावित रास्ता प्रदान करेंगे। 1942 में हुए प्रथम अफीम युद्ध में चीन को हराकर ब्रिटिश सेना ने पहली बार हांगकांग पर कब्जा जमा लिया था। बाद में हुए दूसरे अफीम युद्ध में चीन को ब्रिटेन के हाथों और हार का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए 1898 में ब्रिटेन ने चीन से कुछ अतिरिक्त इलाकों को 99 साल की लीज पर लिया था। ब्रिटिश शासन में हांगकांग ने तेजी से प्रगति की। 1982 में ब्रिटेन ने हांगकांग को चीन को सौंपने की कार्रवाई शुरू कर दी जो 1997 में जाकर पूरी हुई। चीन ने एक देश दो व्यवस्था के तहत हॉन्ग कॉन्ग को स्वायत्तता देने का वादा किया था। चीन ने कहा था कि हॉन्ग कॉन्ग को अगले 50 सालों तक विदेश और रक्षा मामलों को छोड़कर सभी तरह की आजादी हासिल होगी। बाद में चीन ने एक समझौते के तहत इसे विशेष प्रशासनिक क्षेत्र बना दिया।

अमेरिका के जार्जिया में प्लेन क्रैश, अंतिम संस्कार के लिए जा रहे पूरे परिवार की मौत

वॉशिंगटन: अमेरिका के जॉर्जिया में छोटा विमान क्रैश होने से 5 लोगों की मौत हो गई । विमान में एक ही परिवार के 4 लोग शामिल थे जो अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए इंडियाना जा रहे थे। परिवार फ्लोरिडा में रहता था। इस हादसे में किसी भी शख्स की जान नहीं बची है। दोपहर में यह हादसा हुआ है। मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। दक्षिण-पूर्व अटलांटा से 161 किलोमीटर की दूरी पर यह दुर्घटना हुई है फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि पाइपर पीए31-टी विल्सटन, फ्लोरिडा से न्यूकैसल, इंडियाना के लिए उड़ान भर रहा था। मिल्डगेविल निवासी ट्रेसी कार्टर ने द यूनियन-रिकॉर्डर को बताया कि उन्होंने एक प्लेन को देखा जिसमें आग लगी थी। इमरजेंसी क्रू में काम करने वाले सदस्यों ने कहा कि एक जंगली इलाके में आग की लपटें उठती दिखाई दीं। द एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने जांच के आदेश दिए हैं।

ट्रंप का दावा- भारत-चीन जांच करें तो अमेरिका से ज्यादा आएंगे कोरोना के मामले

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और चीन जैसे देश अगर ज्यादा संख्या में जांच करें तो उनके यहां कोरोना वायरस के मामले अमेरिका से अधिक होंगे। ट्रंप ने एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका ने दो करोड़ जांच की हैं। अमेरिका की तुलना में जर्मनी ने 40 लाख और दक्षिण कोरिया ने करीब 30 लाख जांच की हैं। भारत ने अबतक कोरोना वायरस की 40 लाख जांच की हैं। अमेरिका में कोविड-19 जांच पर टिप्पणी करते हुए, ट्रंप ने कहा कि इसे याद रखिए, जब आप ज्यादा जांच करेंगे तो आप के यहां ज्यादा मामले होंगे। मैं अपने लोगों से कहना चाहता हूं कि आप के यहां ज्यादा मामले इसलिए हैं क्योंकि ज्यादा लोगों की जांच की जा रही है... हम चीन या भारत या अन्य स्थानों पर जांच करना चाहें तो मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि वहां ज्यादा मामले होंगे। वह 'पुरिटन मेडिकल प्रोडक्ट्स'' को संबोधित कर रहे थे। पुरिटन दुनिया भर में उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा स्वाब (रुई लगी तीली) बनाने वाली कुछ कंपनियों में से है। राष्ट्रपति ने कहा कि आपकी बदौलत जांच करने की क्षमता बढ़ने की वजह से हमारे देश में चीजें फिर से खुल रही हैं और हमारी अर्थव्यवस्था उबर रही है, कोई ऐसा सोच भी नहीं सकता था। मासिक रोजगार के आंकड़ों का हवाला देते हुए ट्रंप ने कहा कि अर्थव्यवस्था अब वापस पटरी पर है। हमने आशंकाओं को वास्तविकता नहीं बनने दिया और यह अमेरिकी इतिहास में मासिक नौकरियों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है।उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पहले जो सबसे ज्यादा संख्या थी, यह उससे करीब दोगुनी या उससे भी ज्यादा है। इसलिए यह अमेरिकी इतिहास में मासिक नौकरियों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी है... तीन नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले के कुछ महीने जबर्दस्त होने वाले हैं। देश में तीन नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनाव हैं और ट्रंप दूसरा कार्यकाल हासिल करने के लिए मशक्कत कर रहे हैं। इस बार उनका सामना डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन से है। अधिकतर चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार बाइडेन, ट्रंप से खासे आगे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह बहुत अहम चुनाव है क्योंकि गलत राष्ट्रपति चुनने पर वह कर बढ़ा सकते हैं और सीमा को खोल सकते हैं जिससे सब लोग देश में घुस आएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि कोरोना वायरस के अदृश्य दुश्मन को हराने के लिए अमेरिकी सरकार ने अपनी और अमेरिकी उद्योग की सारी ताकत झोंक दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सच में एक दुश्मन है। यह चीन से आया है जिसे चीन में ही रोका जा सकता था। मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया।

भारत को धमका रहा चीनी मीडिया-'गलतफहमी में न रहे, झुकेंगे नहीं'

बीजिंग (एजेंसी):

लद्दाख सीमा विवाद को लेकर भारत-चीन के बीच तनाव के चलते लिए जहां चीनी और भारतीय सेना के अफसर आमने-सामने बातचीत कर मामला सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं वहीं चीन का मीडिया धमकियां देने से बाज नहीं आ रहा है। चीन सरकार क का मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स भारत के खिलाफ अनाप-शनाप लिख कर उकसाने का प्रयास कर रहा है। चीन सरकार के मुखपत्र ने दोनों देशों के सैनिकों के बीच चल रही मुलाकात पर कटाक्ष करते हुए लिखा कि बैठक से बेशक दोनों देशों में तनाव के कम होने की उम्मीद है, लेकिन हम सीमा मुद्दे पर नहीं झुकेंगे। यह मीटिंग शनिवार को लद्दाख में हुई है जिसके बारे में सेना की ओर से आधिकारिक बयान आना बाकी है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि भारत को सीमा के पास अपने 'भड़काऊ गतिविधियों' को तुरंत रोक देना चाहिए। इसके अलावा उन्हें चीन की सीमा का सम्मान करना चाहिए, अन्यथा इस गतिरोध का वास्तविक हल नहीं निकल सकेगा। अखबार ने यह भी लिखा कि भारतीय पक्ष को पश्चिमी मीडिया के लिए जानबूझकर बयानबाजी भी नहीं करनी चाहिए। आरोप लगाया कि पश्चिमी मीडिया का उद्देश्य चीन के शांतिपूर्ण समाधान के प्रस्ताव को ठुकराना है। ग्लोबल टाइम्स ने चीन के सैन्य विशेषज्ञ सॉन्ग झोंगपिंग के हवाले से कहा कि विवादित स्थल के पास भारत और चीन के सैन्य जनरलों की बातचीत में सीमा पर फिर से शांति बनाने को लेकर चर्चा की जाएगा। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय सेना को गलवान घाटी क्षेत्र में चीन की सीमा में किसी भी प्रकार के रक्षा निर्माण को रोक देना चाहिए। चीनी सेना के नजदीकी सूत्रों के आधार पर ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि चीन के बॉर्डर डिफेंस ट्रूप्स ने सीमा पर भारतीय गतिविधियों का जवाब देने के लिए सभी तरह की तैयारियों को पूरा कर लिया है। शंघाई एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज से जुड़े हुए हू झाइयोंग ने आरोप लगाया कि कोरोना वायरस के कारण पैदा हुई स्थितियों का फायदा उठाने के लिए भारत ने पहले दबाव बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष को अब यह समझना चाहिए कि सीमा विवादों को दोनों पक्षों द्वारा अच्छे विश्वास से हल किया जा सकता है। ग्लोबल टाइम्स ने यह भी लिखा कि चीन के प्रति विरोध की मानसिकता भारत में बढ़ रही है और इसने भारतीय नीति निर्माताओं पर दबाव डाला है। चीनी और भारतीय नेताओं ने 2018 में एक अनौपचारिक शिखर बैठक की और एक महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंच गए थे। पिछले दो वर्षों में दोनों देशों के उच्च-रैंक के अधिकारियों के बीच लगातार संपर्क बना रहा और भारतीय नेताओं ने रणनीतिक शांति दिखाई। उम्मीद है कि इस तरह की शांति विशेषकर सीमा मुद्दे पर अग्रणी भूमिका निभाएगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

500 रुपए के लिए दो दोस्तों ने दोस्त को मार डाला

सूरत पुलिस को शहर की पनास नहर से एक युवक का शव बरामद हुआ था! युवक की किसी ने हत्या कर उसका शव नदी में फैंक दिया था! पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक के दो दोस्तों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है! जानकारी के मुताबिक विकास नामक युवक सूरत के जमनानगर–भटार रोड पर बीआरटीएस के निकट फूटपाथ पर रहता था! उसके साथ जीतु और रामसिंग नामक दो शख्स भी रहते थेद्य लॉकडाउन के दौरान कोई काम नहीं मिलने से तीनों परेशान थे! एक दिन मजूरी से लौटा रामसिंग 500 रुपए का राशन लेकर आया और विकास को भोजन बनाने को कहा! साथ ही विकास से रामसिंग ने 500 रुपए की मांग की! रुपए मांगने पर विकास ने रामसिंग की पिटाई कर दी! उस वक्त तो रामसिंग ने कुछ नहीं किया, लेकिन विकास के सो जाने के बाद जीतु के साथ मिलकर उसका गला घोंट कर मौत के घाट उतार दिया! बाद में विकास का शव पनास नहर में फैंक दिया! पुलिस ने हत्या के आरोप रामसिंग और जीतु को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की!

छह थाना क्षेत्रों से जब्त की गई 1 करोड से ज्याद की कीमत शराब पर चलाया रोड़ रोलर

गुजरात में शराब पर प्रतिबंध होने के कारण, सुरत शहर के पुलिस स्टेशन में पकड़े गई शराब ज्यादा की शराब के अलग–अलग गुनाहों में पकड़े गई थे. वराछा, सरथना, कपोद्रा, लिंबायत, उधना और

का आज नष्ट करें की कार्यवाही किया गया । सूरत शहर के छह पुलिस थानों द्वारा जब्त की गई शराब को नष्ट कर दिया गया है। 2018 से 2020 तक पकड़े गई छह पुलिस स्टेशनों द्वारा एक करोड़ रुपये से डिंडोली क्षेत्रों से जब्त की गई शराब को नष्ट कर दी गई है। पुलिस द्वारा सड़क पर शराब, बीयर, बीयर की टिन सहित कई प्रकार के प्रतिबंध को फैलाया गया है और रोड रोलर को चालू कर दिया गया है।

मालवाहक वाहनों को मोटर व्हीकल टैक्स की अदायगी में दो माह की छूट

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शुक्रवार को एक और महत्वपूर्ण घोषणा कर राज्य में मालवाहक वाहनों को मोटर व्हीकल टैक्स की अदायगी में अप्रैल और मई सहित दो महीने के लिए छूट देने का निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने कोरोना वायरस के चलते पैदा हुई प्रतिकूल आर्थिक परिस्थिति के बीच राज्य के अर्थतंत्र और जनजीवन को पुनः गतिशील एवं पूव. ंवत करने के लिए गुरुवार को 14022 करोड़ रुपए का गुजरात आत्मनिर्भर पैकेज घोषित किया है।

मुख्यमंत्री के समक्ष राज्य के गुड्स कैरिज–ट्रांसपोर्ट ओनरों के द्वारा लॉकडाउन की स्थिति में वाहन यातायात पर नियंत्रण के कारण उन्हें मोटर व्हीकल टैक्स जमा करने में राहत देने की मांग उठाई गई थी।

मुख्यमंत्री ने इस मांग पर त्वरित और अनुक. ूल प्रतिक्रिया देते हुए यह घोषणा की है कि राज्य सरकार मालवाहक वाहनों के लिए दो महीने का मोटर व्हीकल टैक्स नहीं लेगी।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय के परिणामस्वरूप राज्य के 2 लाख 80 हजार मालवाहक वाहन धारकों को अप्रैल और मई सहित दो महीने का मोटर व्हीकल टैक्स जमा करने से मुक्ति मिलने के कारण लगभग 100 करोड़ रुपए की राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने गुजरात आत्मनिर्भर पैकेज में निजी लग्जरी बस–कॉन्ट्रैक्ट कैरेज बस तथा जीप, टैक्सी–मैक्सी व कैब को लॉकडाउन की स्थिति में राहत देते हुए छह महीने के लिए अर्थात 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक की अवधि के लिए रोड टैक्स भरने से पूर्ण माफी दी है

जिसका लाभ लगभग 63 हजार वाहनधारकों को मिलेगा। अब, 2 लाख 80 हजार मालवाहक वाहनधारकों को भी दो महीने के लिए मोटर व्हीकल टैक्स जमा करने से मुख्यमंत्री ने छूट दी है

राज्यसभा चुनाव से पहले फिर एक बार गुजरात में रिसोर्ट पॉलिटिक्स शुरू

अहमदाबाद 19 जून को गुजरात में राज्यसभा की चार सीटों पर होनेवाले चुनाव से पहले फिर एक बार रिसोर्ट पॉलिटिक्स शुरू हो गई है! तोडोना वायरस के घबड़ाई कांग्रेस ने अपने 65 विधायकों को एकजुट रखने के लिए उन्हें तीन टीमों में विभाजित कर दिया है! तीनों टीमों की जिम्मेदारी अलग अलग नेताओं को सौंपी गई है! दरअसल शुक्रवार को आणंद के एक रिसोर्ट में कांग्रेस के राज्यसभा उम्मीदवार ने पार्टी के 15 विधायकों के साथ बैठक की थी! गुरुवार और शुक्रवार को तीन और विध ाायकों के बाद अन्य विधायकों को एकजुट रखने के लिए कांग्रेस ने एक रणनीति बनाई है! इसके अंतर्गत मध्य गुजरात के विध ाायकों को संभालने की जिम्मेदारी कांग्रेस के राज्यसभा उम्मीदवार भरतसिंह सोलंकी को सौंपी गई है!

जबकि उत्तरी गुजरात के विधायकों की जिम्मेदारी जगदीश ठाकोर और सिद्धार्थ पटेल को दी गई है! सौराष्ट्र के विधायकों का जिम्मा परेश धानाणी और अर्जुन मोढवाडिया को सौंपा गया है! सौराष्ट्र से कांग्रेस विधायकों को राजकोट के नीलसिटी रिसोर्ट में रखा गया! वहीं उत्तरी गुजरात के विधायकों को अंबाजी पहुंचने का आदेश दिया गया है!

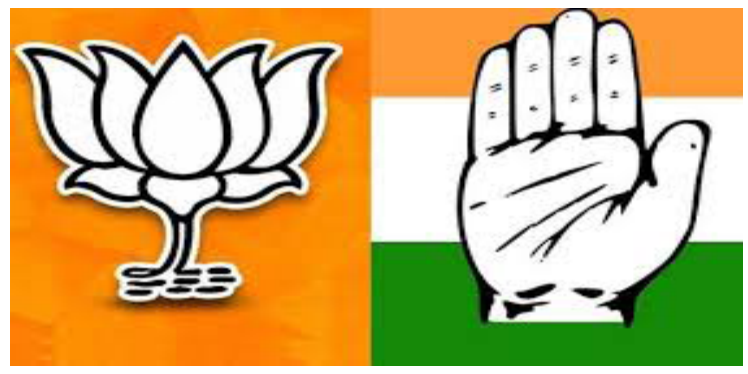

जहां से इन विधायकों को राजस्थान ले जाए जाने की संभावना है! गौरतलब है पहले राज्यसभा चुनाव 26 मार्च को होनेवाले थे! लेकिन कोरोना संकट के चलते चुनाव स्थगित कर दिए गए थे! हांलाकि चुनाव स्थगित किए जाने से पहले कांग्रेस के पांच विधायकों ने मार्च महीने में विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था! अब निर्वाचन आयोग ने आगामी 19 जून को राज्यसभा की चार सीटों पर चुनाव का ऐलान किया है!

चुनाव का ऐलान होते ही फिर एक बार कांग्रेस में भगदड़ मच गई है!

गुरुवार को कांग्रेस विधायक अक्षय पटेल और जीतु चौधरी ने इस्तीफा दिया और शुक्रवार को ब्रिजेश मेरजा के इस्तीफे से कांग्रेस सकते में है!

अब तक 8 विधायकों के इस्तीफे से भाजपा का पलड़ा भारी हैद्य भाजपा ने अभय भारद्वाज, रमीला बारा और पाटीदार नेता नरहरि अमीन को उम्मीदवार बनाया है! जबकि कांग्रेस ने शक्तिसिंह गोहिल और भरतसिंह सोलंकी को मैदान में उतारा है! लेकिन 8 विधायकों के इस्तीफे के बाद भाजपा के तीन उम्मीदवार की जीत और कांग्रेस के एक प्रत्याशी की हार तय मानी जा रही है!

182 सदस्यों वाली गुजरात विधानसभा में भाजपा के 103, कांग्रेस के 65, बीटीपी के 2, एनसीपी 1 और एक निर्दलीय विधायक है!

कांग्रेस के 8 विधायक इस्तीफा दे चुके हैं और दो सीटें अदालती मामले के चलते रिक्त हैं!

एसईबीसी वर्ग के जाति प्रमाण पत्र की वैधता अवधि 1 वर्ष तक बढ़ाई गई

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के लाखों युवाओं, छात्रों, बच्चों और अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय करते हुए सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईबीसी) के जाति प्रमाण पत्र की वैध ाता अवधि को 1 वर्ष तक बढ़ाने की घोषण ा की है। जिन युवाओं के ऐसे प्रमाण पत्र की अवधि 31 मार्च, 2020 को समाप्त हो रही है, वह प्रमाण पत्र अब 31 मार्च, 2021 तक मान्य होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्णय किया है कि राज्य सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले आय प्रमाण पत्र जिसकी वैधता तिथि 31 मार्च, 2020 को पूरी हो रही है, उसे भी एक वर्ष यानी कि 31 मार्च, 2021 तक बढ़ाया गया है। एसईबीसी के नॉन क्रीमी लेयर सर्टिफिकेट की समय सीमा 3 वर्ष की होती है। इसलिए मुख्यमंत्री ने यह भी निर्णय किया है कि ऐसे नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र जिनकी समय सीमा 31 मार्च, 2020 को पूरी हो रही हो, वह स्वतः ही 31 मार्च, 2021 तक यानी कि एक वर्ष के लिए बढ़ा दिए जाएंगे। प्रमाण पत्र की अवधि बढ़ाने के लिए उन्हें तहसीलदार कार्यालय या किसी सक्षम सत्ताधिकारी के समक्ष जाने या ऑनलाइन आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के परिण ामस्वरूप आय प्रमाण पत्र के लिए राज्य के 13 लाख 92 हजार तथा नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र के लिए 2 लाख 98 हजार लाभार्थियों सहित कुल 17 लाख लोगों को लाभ होगा। लॉकडाउन के बाद अब नया शैक्षणिक सत्र शुरु होने से ऐसे लाखों युवाओं को नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए तहसीलदार कार्यालय या सरकारी दफ्तरों में नहीं जाना होगा और 31 मार्च, 2020 तक की वैधता वाले ऐसे प्रमाण पत्र एक वर्ष और अर्थात 31 मार्च, 2021 तक मान्य रहने से बड़ी राहत मिलेगी। राज्य में अनुस. ूचित जाति–जनजाति (एससी–एसटी) के युवाओं को जो जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाता है, वह आजीवन मान्य रहता है। ऐसे एससी–एसटी के जाति प्रमाण पत्र धारकों द्वारा भी संबंधित समक्ष सत्ताधिकारी से प्राप्त किए गए प्रमाण पत्र मान्य रहेंगे और उसकी कोई समय सीमा नहीं है, उस मुद्दे को भी यथावत रखा गया है।

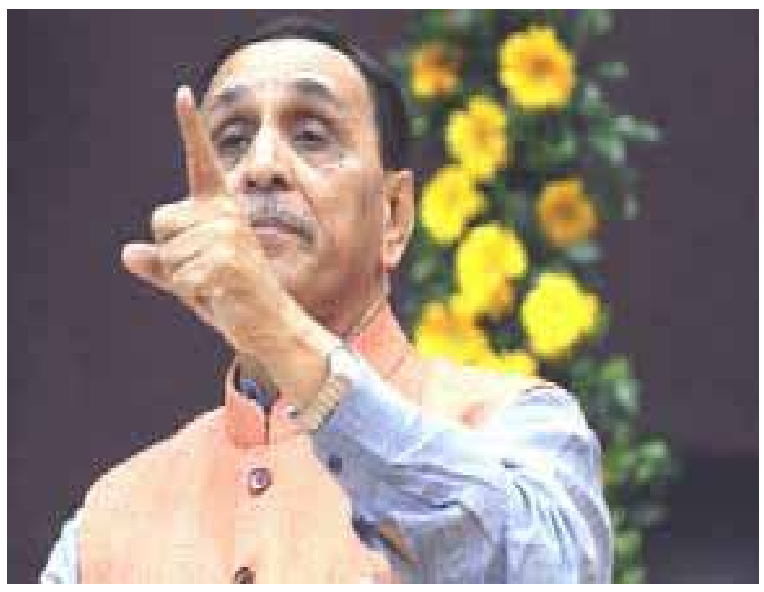

दो गुटों के हिंसक झड़प में 8 लोग घायल, एक की हालत नाजुक

जामनगर के सचाणा में आज दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प में 8 लोग घायल हो गए घटना में घायल एक की हालत नाजुक बताई गई है! सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाया और कानूनी कार्रवाई शुरू की! जानकारी के मुताबिक जामनगर के सचाणा में जमीन के मुद्दे पर आज दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई! दोनों पक्षों के लोग लोहे की लोहे की पाइप और तलवार समेत हथियार लेकर एक–दूसरे पर टूट पड़े! दो गुटों के बीच हुई इस हिंसक झड़प में 8 लोग घायल हो गएद्य सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और स्थिति पर काबू पाया! हिंसा में घायल 8 लोगों को एम्ब्युलैंस के जरिए जामनगर के जीजी अस्पताल पहुंचाया! घायलों में एक शख्स की हालत बेहद ना. जुक बताई गई है! पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि काफी समय से जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था!

गुजरात की 131 तहसीलों में आधे से तीन ईंच अधिक बारिश

अहमदाबाद चक्रवात के असर के चलते गुजरात की 131 तहसीलों में 24 घंटों के दौरान 1 से 3.25 ईंच बारिश हुई! तेज हवा के साथ हुई बारिश के दौरान कई जगह पेड़ गिरने और पानी भर गया! जानकारी के मुताबिक 24 घंटों के दौरान मोरबी जिले की हलवद तहसील में सबसे अधिक 3.25 ईंच बारिश हुई!

वहीं राज्य की कई तहसीलों में आध े से एक ईंच बारिश दर्ज हुई! राज्य की 20 तहसीलों में 1 से 3.5 ईंच बारिश हुई है!

राज्य की सागबारा, संखेडा, धंधुका और नडियाद में 1–1 ईंच, धोलका में 1.1 ईंच, सुबीर में 1.3 ईंच, मालिया मियाणा में 1.4, चोटीला में 1.5 ईंच, मोडासा में 1.5 ईंच, मेहमदाबाद में 1.5, कठलाल में 1.75 ईंच, डभोई में 2 ईंच, टंकारा में 2 ईंच, थराद में 2 ईंच, बोटाद में 2.5 ईंच, मोरबी में 2.75 ईंच, और हलवद में 3.5 ईंच बारिश हुई!

जबकि राज्य की 20 तहसीलों में आध े से एक ईंच जितनी बारिश दर्ज हुई!

बारिश होने से तापमान गिरने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है तो कई किसानों ने बुवाई भी शुरू कर दी!

रात्रि कर्फ्यू के दौरान शराब के नशे में युवती समेत तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद शहर के वस्त्रापुर क्षेत्र में रात्रि कर्फ्यू के दौरान पुलिस ने कार सवार एक युवती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया! तीनों शराब के नशे में धुत्त थे! आम जनजीवन सामान्य बनाने के लिए अनलॉक 1 में काफी रियायतें दी गई हैं! सुबह के 7 बजे से शाम 7 बजे तक बाजार खुले रखने की सरकार ने मंजूरी दी है! हांलाकि रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू जारी है! ताकि आवश्यक सेवाओं को छोड़ अन्य गतिविधियां बंद रहें!

लेकिन कुछ इसका भी उल्लंघन कर रहे हैं! जानकारी के मुताबिक देर रात वस्त्रापुर पुलिस हिमालय मॉल के निकट गश्त पर थी, उस वक्त वहां से गुजरी एक कार को रोक पुलिस ने पूछताछ की! इंडिका कार में सवार एक युवती और दो युवक शराब के नशे में चूर थे! पुलिस ने तीनों कार से उतार हिरासत में ले लिया! साथ ही कार भी जब्त कर ली!

पकड़ी गई युवती अहमदाबाद के वस्त्रापुर, युवक बोडकदेव के निवासी होने का पता चला है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)